तापमान
अधिकतम 40.1 डिग्री
न्यूनतम 24.2 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार 19 अप्रैल 2026

10 कांग्रेस के प्रत्याशी कमल दिवान भाजपा में रायशुमारी का दौर

10 सेक्टर-15 में श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ 'गुरुजी का सत्संग'

रोडवेज कर्मियों ने बीच सड़क ई-रिक्शा चालक को पीटा, वीडियो हुई वायरल

रोडवेज कर्मी का आरोप नशे में था ई-रिक्शा चालक, रिक्शा हटाने पर हुआ विवाद

■ आरोप है कि ई-रिक्शा चालक नशे की हालत में था

हरिभूमि न्यूज. सोनीपत

गांधी चौक के पास शनिवार को दो रोडवेज कर्मियों ने एक ई-रिक्शा चालक की धुनाई कर दी, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। इस बीच लोगों ने बीच-बचाव करते हुए ई-रिक्शा चालक को छुड़वाया। आरोप है कि ई-रिक्शा चालक नशे की हालत में था। रोडवेज परिचालक ने बताया कि वह बस लेकर पानीपत से सोनीपत वापस लौट रह थे। जब वह गांधी चौक के पास पहुंचे तो इस दौरान एक ई-रिक्शा चालक रोड के बीच में खड़ा था। जब उसे रिक्शा हटाने के लिए कहा, तो वह गाली-गलौच करने लगा। जिस पर बात मारपीट तक पहुंच गई। परिचालक का आरोप है कि ई-रिक्शा चालक शराब के नशे में था। सड़क के बीच ई-रिक्शा खड़ी होने से जाम की स्थिति बनने लगी। जब उसे ई-रिक्शा हटाने की बात कही, तो वह गाली-गलौच करने लगा। देखते ही देखते रॉड उठाकर हमला करने की कोशिश करने लगा। इसके बाद मामला मारपीट तक पहुंच गया। राहगीरों के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ।

बंदियों के बीच हुआ झगड़ा, एक घायल

सोनीपत। जिला कारागार में पुराने ब्लॉक-4 (ए) में बंदियों के बीच झगड़े का मामला सामने आया है। वीरवार रात के समय हुए विवाद में एक बंदी पर पतीलेनुमा वस्तु से हमला किया गया, जिससे उसके सिर व शरीर पर चोटें आईं। जेल उप-अधीक्षक दीपक हुड्डा ने सिटी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है कि 16 अप्रैल की रात करीब 9:45 बजे हवालाती बंदी रोहित पर अन्य बंदियों राहुल, हितेश, दीपक, मोहित और सागर ने हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने पतीलेनुमा वस्तु से वार किए और जान से मारने की धमकी भी दी। घटना की सूचना मिलते ही अधिकारी ओमप्रकाश तथा ड्यूटी पर तैनात वार्डरों ने मौके पर पहुंचकर बीच-बचाव किया और स्थिति को नियंत्रित किया। इसके बाद उच्च अधिकारियों को भी तुरंत अवगत कराया गया। जिस पर संबंधित बंदियों के खिलाफ जेल नियमों के उल्लंघन व झगड़ा करने के आरोप में कार्रवाई की सिफारिश की गई। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

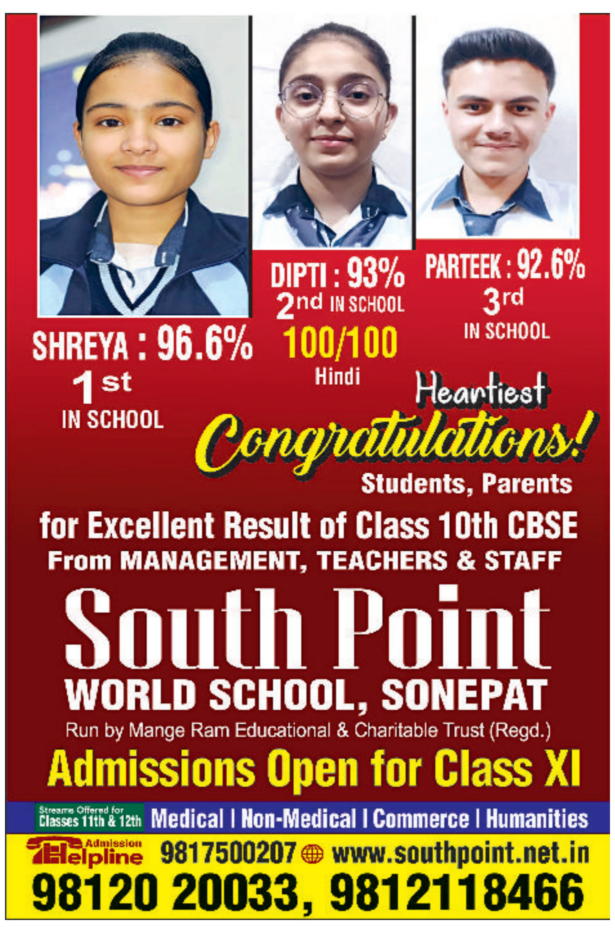

खबर संक्षेप

गुरु अंगद देव गुरुमुखी लिपि के जन्मदाता थे : डॉ. सुरेश

गोहाना। पुराने बस अड्डे पर स्थित नगर स्थित सचखंड गुरुद्वारा में गुरु अंगद देव का प्रकाश मनाया गया। समारोह में नागरिकों ने गुरु अंगद देव को याद करते श्रद्धांजलि दी। मार्गदर्शन आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी का रहा। मुख्य वक्ता मोर्चा के निदेशक व पंजाबी कवि डॉ. सुरेश सेतिया ने कहा दूसरे सिख गुरु अंगद देव ने गुरु नानक देव के दिव्य उद्देश्यों को आगे बढ़ाने का काम किया।

दहेज प्रथा रोकथाम की शपथ दिलाई

गोहाना। शुक्रवार को राजकीय वामवि छिछड़ाना में प्रार्थना सभा के दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को दहेज प्रथा को रोकने हेतु शपथ दिलाई गई। विद्यार्थियों को शपथ दिलाई गई कि वे न तो अपनी शादी में दहेज देंगे और न ही लेंगे। छात्रों ने भी कविता और भाषणों के माध्यम से समाज को दहेज प्रथा मुक्त बनाने का संदेश दिया। मुख्य वक्ता संस्कृत प्रवक्ता सतनारायण वशिष्ठ ने कहा कि वर्तमान परिवेश में यह कुप्रथा कितनी लड़कियों के माता-पिता को कर्ज में डुबो रही है।

छात्रसंघ के अध्यक्ष डॉ. योगी को सम्मानित किया

सोनीपत। सेक्टर 23 के कम्युनिटी सेंटर में आरडब्ल्यूए सेक्टर 23 व स्थानीय निवासियों द्वारा समाजसेवा के कार्यों के लिए भूतपूर्व मस्तनाथ आयुर्वेदिक कॉलेज छात्रसंघ अध्यक्ष डॉ. धर्मवीर मलिक योगी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा नेता आनंद हुड्डा, आरडब्ल्यूए प्रधान राजेश दहिया, आरडब्ल्यूए सेक्रेटरी अशोक, काला पहलवान, कप्तान, मास्टर जैनेंद्र, नागेंद्र, मास्टर रमेश, धर्मपाल, प्रकाश कादयान, कपूर और भगत मलिक सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

स्केटिंग में छाए बुद्धा इंटरनेशनल के खिलाड़ी

खरखौदा। रोहिणी, दिल्ली के सिरी फोर्ट खेल परिसर में हुई स्केटिंग प्रतियोगिता में बुद्धा इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल खुर्मपुर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 31 पदक जीते और अपने स्कूल के साथ साथ क्षेत्र का नाम रोशन किया।

कुरुक्षेत्र में 19 से 27 अप्रैल तक होगी प्रदेशभर के चयनित विद्यार्थियों की परीक्षा

सुपर-100 मिशन के दूसरे चरण से गुजरेंगे छात्र, तीन पड़ाव में होगा प्रशिक्षण-परीक्षा

- *प्रदेश में 2113 व सोनीपत में परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 89 विद्यार्थी होंगे प्रशिक्षण व परीक्षा में शामिल*
- *सोनीपत के उत्तीर्ण विद्यार्थी 22 से 25 अप्रैल तक होने वाले प्रशिक्षण व परीक्षा में लेंगे भाग*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने सरकार की महत्वाकांक्षी योजना शैक्षणिक पहल हरियाणा सुपर-100 के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-28 की दूसरे चरण की परीक्षा का शेड्यूल जारी कर दिया है। प्रदेशभर में प्रथम चरण की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 2113 व सोनीपत में 89 विद्यार्थी दूसरे चरण की परीक्षा में शामिल होंगे। दूसरे चरण की परीक्षा कुरुक्षेत्र में 19 से 27 अप्रैल तक तीन चरणों में होगी। तीनों चरणों में अलग-अलग जिलों के विद्यार्थियों को आमंत्रित किया गया है। साथ ही उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए 5 अप्रैल को प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए हैं।

सोनीपत। सोनीपत के मॉडल टाउन स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

विद्यार्थियों के लिए आवश्यक दस्तावेज व चीजें

- आधार कार्ड (ओरिजनल व एक फोटो कॉपी)
- 5 पासपोर्ट साइज फोटो
- कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा का प्रवेश पत्र (ओरिजनल व एक फोटो कॉपी)
- सुपर-100 प्रथम व द्वितीय चरण का प्रवेश पत्र
- प्रशिक्षण सामग्री (नोटबुक, पेन, पैंसिल, रबड़, परीक्षा बोर्ड, योगा मेट)
- 3 जोड़ी कपड़े व आवश्यक सामग्री (साबुन, टूथपेस्ट, ब्रश, तौलिया, स्लीपर व ताला)
- विद्यार्थियों के लिए सुपर-100 कैंपस में रहना व खाना निशुल्क रहेगा।

हरियाणा सुपर-100 योजना का उद्देश्य प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उचित मार्गदर्शन एवं उत्कृष्ट अकादमिक वातावरण प्रदान कर उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सफलता के लिए सक्षम बनाना है। प्रथम चरण की परीक्षा में 11 फरवरी को राजकीय विद्यालयों की कक्षा 10वीं में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई थी। सोनीपत में 8 केंद्रों पर हुई परीक्षा में 1844 विद्यार्थियों ने सहभागिता की, जबकि 854 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे थे। जिला में सुपर-100 परीक्षा के लिए कुल 2698 विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया था। जिले के 89 विद्यार्थियों सुपर-100 के प्रथम चरण की परीक्षा उत्तीर्ण कर अगले चरण के लिए अपना स्थान पक्का किया है।

यह विद्यार्थी दूसरे चरण कुरुक्षेत्र में होने वाले अलग-अलग 3 दिवसीय रेजिडेंशियल अकादमिक प्रशिक्षण व परीक्षा में शामिल होंगे। इसके बाद चयनित विद्यार्थियों को जेईई, एनईईटी जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की उच्च स्तरीय तैयारी पूर्णतः निःशुल्क कराई जाएगी।

जिलों के विद्यार्थी होंगे शामिल

जिला विज्ञान विशेषज्ञ (डीएसएस) एवं नोडल अधिकारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रदेशभर के विद्यार्थियों के लिए होने वाले प्रशिक्षण व परीक्षा को तीन अलग-अलग चरणों में बांटा गया है। 19 से 21 अप्रैल तक होने वाले पहले चरण में हिसार, भिवानी, रेवाड़ी, फरीदाबाद, चरखी दादरी, महेंद्रगढ़, पलवल, नूंह-मेवात के कुल 749 विद्यार्थी शामिल होंगे। 22 से 24 अप्रैल तक होने वाले दूसरे चरण में जींद, पानीपत, सिरसा, फतेहाबाद, सोनीपत, रोहतक, झज्जर के कुल 738 विद्यार्थी भाग लेंगे। इसके अलावा 25 से 27 अप्रैल तक होने वाले तीसरे चरण में गुरुग्राम, कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर, पंचकूला व अंबाला के कुल 626 विद्यार्थी शामिल होंगे। विशेष रेजिडेंशियल अकादमिक प्रशिक्षण में विद्यार्थियों को विषय विशेषज्ञों की ओर से प्रशिक्षण व उनका मूल्यांकन परीक्षण लिया जाएगा। मेरिट के आधार पर विद्यार्थियों का अंतिम चयन कर उन्हें दाखिला दिया जाएगा।

दूसरे चरण की परीक्षा का शेड्यूल जारी

जिले के कुल 89 विद्यार्थियों ने सुपर-100 के प्रथम चरण की परीक्षा को उत्तीर्ण किया था। यह विद्यार्थी अब अगले चरण के प्रशिक्षण व परीक्षा में शामिल होंगे। विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने हरियाणा सुपर-100 की दूसरे चरण की परीक्षा का शेड्यूल जारी कर दिया है। कुरुक्षेत्र सुपर-100 परिसर में 19 से 27 अप्रैल तक तीन चरणों में प्रशिक्षण व परीक्षा आयोजित की जाएगी। चयनित विद्यार्थियों के लिए प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए हैं, जिन्हें ऑनलाइन डाउनलोड किया जा सकता है।

-नवीन गुलिया, जिला शिक्षा अधिकारी, सोनीपत

सोनीपत के किस ब्लॉक में कितने विद्यार्थी

सोनीपत	-17	कथूरा	- 05
राई	- 20	खरखौदा	- 07
गोहाना	- 13	मुंडलाना	- 15
गन्नौर	- 12	कुल	-89

नवाचार और रचनात्मकता किसी भी समाज व्यक्ति के विकास की आधारशिला : स्पाह

- जीवीएम गर्ल्स कॉलेज में बिजनेस प्लान थीम पर आईआईसी इनोवेशन एरीना 2026 का सफल आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

सोनीपत। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर कॉलेज स्टाफ एवं अन्य।

जीवीएम गर्ल्स कॉलेज में बिजनेस प्लान थीम पर आईआईसी इनोवेशन एरीना 2026 का आयोजन किया। जिसके अंतर्गत आयोजित विभिन्न शैक्षणिक प्रतियोगिताओं में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन और पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें छात्राओं ने नवाचार और रचनात्मकता के उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का मूल्यांकन अनुभवी शिक्षकों एवं विशेषज्ञों द्वारा किया गया। संस्था के प्रधान डॉक्टर ओपी परुथी और कॉलेज की प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए सभी को शुभकामनाएं देते उज्जवल भविष्य की कामना की। प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने कहा कि नवाचार और रचनात्मकता किसी भी समाज और व्यक्ति के विकास की आधारशिला हैं। निर्णायक मंडल में शामिल डा. परवीन शर्मा, डा. रेनू अरोड़ा व डा. प्रगति जमदग्नि ने विजेताओं का चयन किया। प्रथम स्थान कुमकुम, पारुल व शीतल ने, द्वितीय स्थान खुशी व तमन्ना ने और तृतीय स्थान पलक व अनुष्का ने प्राप्त किया।

खरखौदा। फैंसी लाइटों का उद्घाटन करते विधायक पवन खरखौदा।

86 लाख की लाइटों का विधायक ने किया उद्घाटन

खरखौदा। शहर में सुंदरता बढ़ाने के लिए नपा व विधायक द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। सार्थक प्रयास की इसी कड़ी में खरखौदा में 139 फैंसी लाइट लगाई गई हैं, जिनपर 86 लाख की लागत आई है। विधायक पवन खरखौदा ने दोनों पैनल पर नारियल फोड़ कर बटन दबाते विधिवत उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार देश व प्रदेश के विकास के लिए संकल्पित है। बिना किसी भेदभाव के पूरे प्रदेश में विकास कार्य किये जा रह हैं। उन्होंने बताया कि काफी लंबे समय से मांग उठाई जा रही थी कि पथ प्रकाश की समुचित व्यवस्था की जाए। यही कारण है कि उन्होंने नगर पालिका से परामर्श कर शहर में चारों तरफ सड़क के दोनों तरफ फैंसी लाइट लगवाने का निर्णय लिया, ताकि पर्याप्त रोशनी भी हो और शहर की सुंदरता भी बढ़े। उन्होंने कहा कि कुछ व्यक्ति अच्छे कार्य का भी विरोध करने पर उतारू हैं। शहर में मैन रोड व दिल्ली रोड पर डिवाइडर लगे हुए हैं, जिनसे सुविधा की बजाय असुविधा हो रही है।

फैक्ट्री मालिक को गोली मारने के आरोपी गिरफ्तार

- फैक्ट्री मालिक देव बंसल उर्फ शुभम का दिल्ली के निजी अस्पताल में चल रहा इलाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

गन्नौर। थाना बड़ी पुलिस ने थाना प्रभारी कुलदीप सिंह पकड़े गए आरोपित के साथ।

बड़ी औद्योगिक क्षेत्र में फैक्टरी मालिक पर फायरिंग के मामले में थाना बड़ी पुलिस ने थाना प्रभारी कुलदीप सिंह के नेतृत्व में तुरंत कार्रवाई करते हुए घटना के 24 घंअे के अन्दर ही दो अंज्ञात आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपित हर्ष, जितेंद्र दोनों सगे भाई हैं। हाल में वह किराए पर गन्नौर में रहते थे। वहीं हमले में घायल हुए फैक्ट्री मालिक देव बंसल उर्फ शुभम का इलाज दिल्ली के निजी अस्पताल में चल रहा है, जहां उनकी हालत अभी खतरे से बाहर है। गत दिनों पुलिस को दी शिकायत में गोली लगने से घायल हुए देव बंसल उर्फ शुभम निवासी सेक्टर-7 रोहिणी दिल्ली ने बताया था कि वह वीरवार को बड़ी औद्योगिक क्षेत्र फेज 1 प्लाट नंबर 375 स्थित अपनी कंपनी पेक्सटन ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड में मौजूद था। इसी दौरान एक ठेकेदार की लेबर में आपसी कहासुनी हो गई, जिसे उन्होंने कंपनी से बाहर भेज दिया।

सोनीपत। गिरफ्तार आरोपित। फोटो :हरिभूमि

क्लर्क दो लाख की रिश्वत सहित रंगे हाथ दबोचा

सोनीपत। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) जींद की टीम ने गन्नौर स्थित ढाबा से वित्तायुक्त (राजस्व) की अदालत के क्लर्क रवि सिंह को दो लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपित को नेशनल हाईवे-44, गन्नौर स्थित श्री श्याम ढाबा के पास से दबोचा गया, जहां से रिश्वत की पूरी राशि भी बरामद की गई। जींद के गांव अमरहेड़ी निवासी अर्जुन ने एसीबी जींद को शिकायत दी थी कि उनके खेतों के रास्ते को मुख्य रास्ते से जोडने का मामला वित्तायुक्त (राजस्व) की अदालत, चंडीगढ़ में चल रहा है। वहां कार्यरत क्लर्क रवि सिंह ने शिकायतकर्ता से उनके पक्ष में अपील का फैसला करवाने के एवज में ढाई लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। बाद में दो लाख रुपये देने तय किए गए। शिकायत मिलने के बाद एसीबी जींद के इंस्पेक्टर बिजेंद्र सिंह की टीम ने ट्रैप लगाया। रोहतक एसीबी थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई। कार्रवाई के लिए जींद के सफीदों स्थित हार्टिकल्चर विभाग के अधिकारी अभिषेक को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया। आरोप है कि गन्नौर के हरिनगर निवासी आरोपी रवि ने रिश्वत की राशि लेने के लिए शिकायतकर्ता को गन्नौर स्थित श्री श्याम ढाबा के पास बुलाया था।

सर छोटूराम स्कूल की टीम ने शानदार प्रदर्शन कर तृतीय स्थान प्राप्त किया

सर छोटूराम स्कूल में विजेताओं को सम्मानित करते हुए।

सोनीपत। सर छोटूराम सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रतनगढ़ माजरा के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। 10 से 11 अप्रैल तक श्रीनगर के पोलो ग्राउंड में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय टच रग्बी प्रतियोगिता में देश के 21 राज्यों की 71 टीमों के 1000 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें विद्यालय की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में दीपांशी, इशिका, अंजू और तमन्ना तथा बालक वर्ग में गुरमीत, हर्ष, आर्यन और प्रिंस ने टीम का प्रतिनिधित्व किया। इसके अतिरिक्त 11 से 12 अप्रैल तक हिमाचल प्रदेश में आयोजित ओपन मेमोरियल हैंडबॉल प्रतियोगिता में विद्यालय की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर 31,000 रुपये की नगद पुरस्कार राशि जीती। इस टीम में विनय, देव मलिक, विनीत, अक्षय, लक्ष्य, यश और सागर शामिल रहे। विद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में देवेंद्र दहिया, रमेश, रामवीर (एईओ), राकेश (एएईओ), चेयरमैन जगदीश लोहचब, प्रबंधक बिमला मौजूद रहे।

मंडियों में उठान के नाम पर केवल दिखावा करने का आरोप

उठान की लचर व्यवस्था के कारण लगे गेहूं के ढेर

251813 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

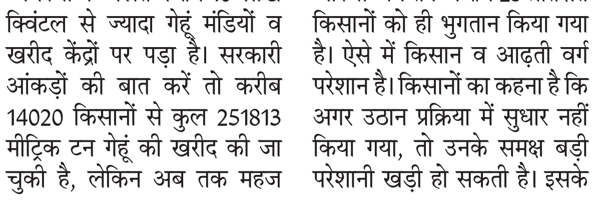

सोनीपत। अनाज मंडी में लगी गेहूं की ढेरियां। फोटो :हरिभूमि

जिले की अनाज मंडियों व खरीद केंद्रों पर गेहूं की उठान प्रक्रिया ज्यादा धीमी होने से किसान परेशान होने लगे हैं। मंडियों में उठान के नाम पर केवल दिखावा किया जा रहा है। यही कारण है कि मंडियों में गेहूं के ढेर लग चुके है। स्थिति नियंत्रण से बाहर होने लगी है। उधर मंडियों में आवक ज्यादा होने के चलते जाम की स्थिति बनने लगी है। किसानों की मानें तो करीब 70 फीसदी गेहूं कटाई के बाहर मंडियों में दस्तक दे चुका है, लेकिन उठान की लचर व्यवस्था के चलते करीब 10 लाख क्विंटल से ज्यादा गेहूं मंडियों व खरीद केंद्रों पर पड़ा है। सरकारी आंकड़ों की बात करें तो करीब 14020 किसानों से कुल 251813 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी है, लेकिन अब तक महज 27304 मीट्रिक टन गेहूं का ही उठान हो पाया है। उधर खरीद एजेंसियों की ओर से अब तक करीब 25 प्रतिशत किसानों को ही भुगतान किया गया है। ऐसे में किसान व आढ़ती वर्ग परेशान है। किसानों का कहना है कि अगर उठान प्रक्रिया में सुधार नहीं किया गया, तो उनके समक्ष बड़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। इसके अलावा किसानों को पोर्टल संबंधी तकनीकी समस्याओं का भी सामना करना पड़ रहा है। ऑनलाइन प्रक्रिया में परेशानी के कारण फसल की बिक्री व भुगतान में देरी हो रही है। वहीं आढ़तियों ने उठान कार्य में एजेंसी पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है।

मंडियों में गेहूं की खरीद व उठान पर नजर

सोनीपत मंडी में 33628 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है, जबकि 8414 मीट्रिक टन का ही उठान हो पाया है। साइलो मोहाना में 1183 मीट्रिक टन की खरीद व 1183 मीट्रिक टन का उठान हो चुका है। गन्नौर में 14906 में से 1353, गोहाना में 103837 में से 6841, बरोदा में 1520 में से 73, भैंसवाल में 2645 में से 86, बिचपड़ी में 375 में से जीरो, दातौली में 4547 में से 249, फरमाणा में 6199 में से 499, कासंडी में 4665 में से 200, कथूरा में 2895 में से जीरो, खानपुर में 5304 में से जीरो, खरखौदा में 26071 में से 5202, मुंडलाना में 3215 में से 180, मुरथल में 4760 में से 275, नाहरा में 2070 में से 736, पुगथला में 19638 में से 610, पुरखास में 4232 में से 1055, रूखी में 6754 में से 60, सनपेड़ा में 3364 में से 284 मीट्रिक टन गेहूं का ही उठान हो पाया है।

न्यूज डायरी

पुगथला मंडी में पुराने कांटों से हो रही गेहूं की तौल

गन्नौर। सरकार द्वारा अनाज मंडियों में पारदर्शिता लाने के लिए डिजिटल कांटों के प्रयोग के स्पष्ट निर्देश दिए जाने के बावजूद पुगथला अनाज मंडी में इन आदेशों की खुलेआम अनदेखी सामने आई है। भारतीय किसान यूनियन (अ) के नेता जयभगवान मलिक ने किसानों के साथ मंडी का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया, जिसमें कई खामियां उजागर हुईं। दौरे के दौरान पाया गया कि मंडी में एक भी आढ़ती डिजिटल काटे का उपयोग नहीं कर रहा है। सभी आढ़ती पुराने पारंपरिक काटों से ही गेहूं की तौल कर रहे हैं। किसानों का आरोप है कि इससे तौल में गड़बड़ी की आशंका बनी रहती है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। किसानों ने इस स्थिति पर गन्नौर प्रशासन और सरकार के प्रति नाराजगी जाहिर की।

छात्रों को प्रदान की डिग्रियां, अतिथियों ने दिया प्रेरक संदेश

सोनीपत। गेटवे कॉलेज में कॉन्वोकेशन समारोह उत्साह और गरिमा के साथ आयोजित किया गया। जिसमें बीबीए, बीसीए, बी. आर्किटेक्चर, बी.टेक (सीएसई), एमबीए तथा एमसीए के विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और स्वागत भाषण से हुई, जिसके बाद विद्यार्थियों को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में लिबर्टी शूज़ लिमिटेड करनाल के प्रमोटर एवं एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर शम्मी बंसल तथा प्रो. एस इंदु, डीन डिजिटल एजुकेशन, दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी नई दिल्ली उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथियों में प्रो. (डॉ.) एम. एन. मिश्रा, प्रो. (डॉ.) प्रतीक शर्मा, अरुण गुप्ता, पीके मोहापात्रा और श्याम कुमार शामिल रहे।

छात्र अंश कौशिक बने हेड ब्वॉय और जन्नत हेड गर्ल

सोनीपत। ऋषिकुल विद्यापीठ गोहाना रोड में शनिवार को 'अधिष्ठापन समारोह' का आयोजन किया गया। विद्यालय अध्यक्ष नीरज शर्मा, निदेशिका रीमा शर्मा, पार्थ शर्मा ने विद्यालय संस्थापक एसके शर्मा के साथ दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बच्चों में नेतृत्व क्षमता का विकास करने के लिए विद्यालय में प्रतिवर्ष प्रतिनिधि छात्रों का चयन किया जाता है। चयन उनकी शैक्षणिक और सहगामी गतिविधियों के अतिरिक्त नैतिक मूल्यों एवं नेतृत्व क्षमता के आधार पर किया जाता है। इस वर्ष अंश कौशिक 'हेड ब्वॉय' और जन्नत 'हेड गर्ल' बनी। इसके अतिरिक्त विद्यालय के चारों हाउस जल, वायु, अग्नि और पृथ्वी के कप्तानों और उप कप्तानों का चयन भी किया गया। सभी ने अपनी जिम्मेदारियों को पूरे मनोयोग से निभाने की शपथ ली। आज के कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

पार्किंग स्थल से उठवाया कूड़ा, युवा शक्ति से जुड़ने की अपील

सोनीपत। शहर को स्वच्छ बनाने का प्रयास निरंतर करते रहना होगा। उक्त विचार निवर्तमान मेयर राजीव जैन ने हर शनिवार स्वच्छता अभियान के तहत शनिवार को लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह से लेकर कच्चे क्वार्टर मॉडल टाउन तक सड़कों पर सफाई करवाने के बाद व्यक्त किये। सुभाष चौक पर दुकानें तोड़ने के बाद बने पार्किंग स्थल से कई गाड़ी कूड़ा उठवाया गया। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा आगामी एक मई से दो सप्ताह तक विशेष स्वछता अभियान चलाया जायेगा। राजीव जैन ने कहा कि स्वच्छता एक मिशन है और इस मिशन में सभी सामाजिक संस्थाओं, नागरिकों एवं विशेषकर युवा शक्ति को जुड़ना चाहिए। जैन ने कहा जब हम अपने घर के अंदर कूड़ा बर्दाश्त नहीं कर सकते तो फिर घर के बाहर सड़कों पर कूड़ा ना ही स्वयं डालना चाहिए और ना ही दूसरों को डालने देना चाहिए।

दमकल कर्मचारियों की 11वें दिन हड़ताल जारी रही

सोनीपत। हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन के आह्वान पर कर्मचारियों की 11वें दिन भी हड़ताल जारी रही। दमकल विभाग के कर्मचारियों ने नगर निगम कार्यालय में धरना देकर रोष जताया। धरने की अध्यक्षता राज्य वरिष्ठ उपप्रधान एवं जिला प्रधान राजीव खत्री ने की व संचालन जिला सचिव अमित दहिया ने किया। राजीव खत्री ने कहा कि गर्मी के मौसम के चलते प्रदेशभर में रोजाना सैकड़ों स्थानों पर आग लगने की घटनाएं हो रही हैं। आरोप है कि इसके बावजूद अधिकारी सरकार को लगातार गुमराह कर रहे हैं कि आग बुझाने का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है, जबकि वास्तविक स्थिति इससे बिल्कुल अलग है। अमित दहिया ने बताया कि सरकार ने फरीदाबाद में शहीद हुए दमकल कर्मचारी भवी चंद शर्मा व रणवीर सिंह की शहादत का तमाशा बना रखा है।

पीड़ित व्यापारियों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली

सोनीपत। कच्चे क्वार्टर बाजार में बीती रात हुई चोरी की घटनाओं के बाद विधायक निखिल मदान शनिवार को मौके पर पहुंचे और पीड़ित व्यापारियों व दुकानदारों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली। बाजार में पहुंचकर हालात का जायजा लिया और प्रभावित दुकानों का निरीक्षण किया। विधायक निखिल मदान ने मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से चोरों को पकड़ने और बाजार क्षेत्र में रात के समय पुलिस गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि कुछ दुकानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों में चोरों की गतिविधियां दिखाई दी हैं।

जेबीएच स्कूल में हुई चित्रकला प्रतियोगिता

खरखौदा। दिल्ली रोड स्थित जेबीएच स्कूल में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्कूल में विद्यार्थियों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के लिए इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा छठी से लेकर 12 वीं तक के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान छात्रों को पर्यावरण संरक्षण, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और स्वच्छ भारत अभियान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चित्र बनाने के लिए प्रेरित किया गया। स्कूल प्रशासन का मुख्य उद्देश्य बच्चों की कलात्मक प्रतिभा को निखारना और उन्हें सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूक करना था। विद्यार्थियों ने रंगों के माध्यम से अपनी कल्पना को कागज पर चित्रित किया।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
आवश्यकता है
भारत के तेजी से बढ़ते हिन्दी समाचार-पत्र हरिभूमि को सोनीपत शहर में डोर-टू-डोर मार्केटिंग के लिए उत्साही, योग्य व आकर्षक व्यक्तित्व वाले युवक-युवतियों की आवश्यकता है, जो मीडिया के क्षेत्र में कैरियर बनाना चाहते हैं
आयु : 18 से 30 वर्ष तक
योग्यता : 10+2 या इससे अधिक
वेतन : योग्यतानुसार (वेतन बुकिंग अनुसार)
मिलने का समय : प्रातः 11.00 से सायं 5.00 बजे तक (कार्यदिवस को)
अपना बायोडाटा मोबाइल नं. 9253681005 पर व्हट्सअप करें या hbcircurtk@gmail.com मेल करें।
सम्पर्क करें :- हरिभूमि कार्यालय
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9653530209, 9253681005, 9253681010

खबर संक्षेप

अवैध कब्जों पर कठोर कार्रवाई की मांग

सोनीपत। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को लघु सचिवालय में देश से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में संगठन की ओर से देश में बढ़ती कुछ गतिविधियों को लेकर चिंता जताते हुए प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की गई। ज्ञापन में संगठन ने आरोप लगाया कि देश के अलग-अलग क्षेत्रों में कथित रूप से लव जिहाद, जबरन धर्मांतरण, महिलाओं के शोषण तथा सरकारी व सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जों जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं।

रेलवे चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर ने किया निरीक्षण

गोहाना। रेलवे के चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर डीके पांडेय ने गोहाना रेलवे स्टेशन पर पहुंचकर विभिन्न कामों का निरीक्षण किया। उन्होंने एजेंसी को समय पर काम पूरा करने के निर्देश दिए। गोहाना रेलवे स्टेशन का अमृत भारत योजना के तहत कायाकल्प और पुनर्विकास किया जा रहा है। इस परियोजना को अगस्त तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फरवरी 2024 में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से अमृत भारत योजना के तहत गोहाना रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास को लेकर शिलान्यास किया था। गोहाना स्टेशन पर लगभग 25 करोड़ से बड़े स्तर पर काम कराए जा रहे हैं। यहां पर नया भवन लगभग तैयार हो चुका है।

वाटर पार्क के लॉकर से मोबाइल और नकदी चोरी

सोनीपत। गांव कुमासपुर के पास स्थित वाटर पार्क के लॉकर से मोबाइल, नकदी व अन्य सामान चोरी कर लिया गया। दिल्ली के चार युवक नहाने के लिए पार्क में आए थे और अपना सामान लॉकर में रखकर गए थे। चाबी गुम होने के बाद जब लॉकर खुलवाया गया तो वह खाली मिला। बहालगढ़ थाना पुलिस ने चोरी की प्राथमिकी दर्ज कर ली है। दिल्ली के सीलमपुर स्थित शांति मोहल्ला निवासी विपुल कुमार ने बहालगढ़ थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है कि वह टेलर का काम करते हैं। वह अपने भाई रजत, उनके दोस्त मोहित और विशाल के साथ कुमासपुर स्थित जुरासिक वाटर पार्क में नहाने आए थे।

निगम चुनावों की तैयारियों में कांग्रेस ने मेयर प्रत्याशी किया घोषित

कांग्रेस के प्रत्याशी कमल दिवान भाजपा में रायशुमारी का दौर

भाजपा में मेयर प्रत्याशी के तौर पर 13 उम्मीदवारों के आए आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶। सोनीपत

नगर निगम चुनावों की तैयारियों के बीच कांग्रेस ने शहरी जिलाध्यक्ष कमल दिवान को अपना मेयर प्रत्याशी घोषित कर दिया है। जबकि दूसरी ओर भाजपा अभी तक प्रत्याशी को लेकर मंथन के दौर में है। शनिवार को भाजपा की ओर से जगह जगह रायशुमारी भी हुई। जिसके तहत विधायक समेत अन्य नेताओं ने शहर के अलग अलग हिस्सों में जाकर मेयर और पार्षद उम्मीदवारों के लिए चर्चा की।

शनिवार को कांग्रेस ने दो नगर निगमों के लिए अपना मेयर प्रत्याशी घोषित किया, जिसमें एक नाम सोनीपत से कमल दिवान का भी रहा। पहले से ही कमल दिवान के नाम की ही चर्चा चल रही थी, जिस पर शनिवार को मुहर लग गई। दूसरी ओर भाजपा में मेयर प्रत्याशी के तौर पर 13 लोग आवेदन कर चुके हैं। जिसमें निवर्तमान मेयर राजीव जैन, अरुण बंसल, तरुण देवीदास, ललित बतरा, योगेशपाल अरोड़ा, राजीव गुप्ता, शशीकांत कौशिक के नाम प्रमुख हैं।

सोनीपत। वार्ड नंबर 15 की रायशुमारी में दुर्गा मंदिर कच्चे क्वार्टर में विधायक निखिल मदान और प्रभारी लोकेश नागरू

पिछली बार भी लड़ा भा चुनाव

बता दें कि कमल दिवान सोनीपत में कांग्रेस के शहरी जिलाध्यक्ष भी हैं। कमल दिवान ने पिछले साल हुए नगर निगम के उपचुनाव में कांग्रेस की तरफ से मेयर पद के लिये चुनाव लड़ा था। जिसमें भाजपा प्रत्याशी राजीव जैन के हाथों उन्हें शिकस्त झेलनी पड़ी थी। जिसके बाद से कमल दिवान लगातार शहर में जनसंपर्क में जुटे रहे। जिसका फल उन्हें अब कांग्रेस ने मेयर की टिकट के तौर पर दिया है। कमल दीवान के पिता देवराज दिवान सोनीपत शहर से दो बार विधायक रह चुके हैं। दोनों बार निर्दलीय ही विधायक बनने वाले देवराज दिवान ने बाद में कांग्रेस ज्वाइन की थी। जिसके बाद से पूरा परिवार कांग्रेस के प्रति समर्पित रहा। देवराज दिवान की मृत्यु उपरांत कमल दिवान ने अपने पिता की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने का जिम्मा उठाया है। जिसके तहत पिछले साल नगर निगम का उपचुनाव लड़ा था और अब फिर से नगर निगम चुनावों में ताल ठोंक रहे हैं।

नोडल अधिकारी किए नियुक्त

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त नेहा सिंह ने सोनीपत नगर निगम आम चुनाव के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं। जिसके तहत मैनपावर मैनेजमेंट के लिए डीआईओ विशाल, मटेरियल मैनेजमेंट के लिए नगर निगम की संयुक्त आयुक्त मीतू धनखड़, ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट के लिए आरटीए कार्यकाल के एडीटीओ संजीव कौशिक व उपायुक्त कार्यालय से पीएलए ब्रांच की सहायक सुमन, नगर निगम क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता लागू करवाने के लिए हरियाणा रोडवेज जीएम संजय कुमार, अमित खोखर व एमवीओ गुरप्रीत संधू, स्वीप अभियान के तहत आयोजित होने वाली चुनाव गतिविधियों के लिए निर्वाचन तहसीलदार दिनेश कुमार को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। इसके अलावा पोस्टल बैलेट पेपर प्रिंटिंग व जारी करने के लिए नगर निगम डीएमसी हरदीप सिंह, मीडिया संचार प्लान व एसएमएस निगरानी के लिए डीआईपीआरओ राकेश गौतम, शिकायतों का निवारण व हैल्पलाईन के लिए जिला राजस्व अधिकारी सुशील शर्मा, मतदान के दिन मतदान केंद्रों पर दिव्यांगजन मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर व अन्य सुविधाओं के लिए जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव गौरव रामकरण को नोडल अधिकारी लगाया गया है। ऑब्जर्वरों के लिए डीईटीसी(एक्साईज) अरविंद कुमार, इलेक्ट्रॉल रॉल्स के लिए संबंधित आरओ व एआरओ, मेडिसिन किट के लिए सीएमओ डा. ज्योत्सना, बिजली आपूर्ति के लिए उत्तर हरियाणा वितरण बिजली निगम के एसई, पेयजल आपूर्ति के लिए पब्लिक हेल्थ के एसई, रैली, होर्डिंग, बैनर, जुलूस में प्रयोग होने वाले वाहनों तथा जनसभा की अनुमति देने के लिए संबंधित आरओ व एआरओ को नोडल अधिकारी लगाया गया है।

विधायक और प्रभारी ने की रायशुमारी

भाजपा नगर निगम चुनावों को लेकर फील्ड में हैं। बेशक से कांग्रेस ने मेयर प्रत्याशी घोषित कर आगे कदम बढ़ाया है, लेकिन भाजपा की ओर से रायशुमारी की जा रही है। मेयर और पार्षद प्रत्याशियों के लिये शनिवार को रायशुमारी का दौर चला। जिसके तहत सोनीपत विधायक निखिल मदान और प्रभारी लोकेश नागरू ने कई वार्ड में लोगों के बीच पहुंचकर बातचीत की। इस दौरान मेयर और पार्षद प्रत्याशियों को लेकर फीडबैक भी लिया गया।

सोनीपत-नारनौल रोडवेज बस के समय में बदलाव

अब 35 मिनट पहले होगा परिचालन

सोनीपत। बस अड्डा परिसर में बसों के इंतजार में यात्रियों की भीड़।

हरिभूमि न्यूज ▶▶। सोनीपत

जिला रोडवेज प्रबंधन ने यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधा मुहैया करवाने के उद्देश्य से सोनीपत-नारनौल के बीच चलने वाली बस का 35 मिनट परिचालन करने का निर्णय लिया है। उक्त बस सुबह 8:40 के बजाय 8:05 बजे सोनीपत बस अड्डा से अपनी यात्रा प्रारंभ करेगी। प्रबंधन का कहना है कि बस परिचालन के समय में बदलाव का निर्णय यात्रियों की मांग पर लिया गया है। इससे दैनिक यात्रियों को सुविधा मिल सकेगी। बता दें कि दिसंबर 2023 तक सोनीपत बस अड्डे से नारनौल के लिए यात्रियों को सीधी बस सेवा मुहैया नहीं करवाई जा रही थी। ऐसे में नारनौल जाने वाले यात्रियों को रेवाड़ी से बस बदलनी पड़ती थी, अन्यथा रोहतक जाकर नारनौल के लि सीधी बस पकड़नी पड़ती थी। इससे यात्रियों को आर्थिक नुकसान झेलने के साथ ज्यादा समय भी लगता था। यात्रियों की परेशानी को देखते हुए रोडवेज विभाग ने जनवरी 2024 से सोनीपत से नारनौल के लिए सीधी बस सेवा प्रारंभ की थी। शुरुआत में बस का चरखी-दादरी व महेंद्रगढ़ से होते हुए नारनौल तक परिचालन किया जाता था, लेकिन उक्त रूट पर यात्रियों की कमी के लिए रोडवेज विभाग के राजस्व को नुकसान पहुंच रहा था।

यात्रियों को मिलेगी सुविधा

सोनीपत बस अड्डा परिसर से नारनौल के लिए यात्रियों को सीधी बस सुविधा प्रदान की जा रही है। यात्रियों की मांग पर प्रबंधन ने बस परिचालन के समय में बदलाव का निर्णय लिया है। अब सोनीपत से नारनौल जाने वाली रोडवेज बस का रोजाना सुबह 8:40 के बजाय 8:05 बजे परिचालन शुरू किया जाएगा। इस निर्णय से अन्य यात्रियों के साथ दैनिक यात्रियों को भी सुविधा मिलेगी।

-सुरेंद्र दुग्गल, एसएस, रोडवेज डिपो, सोनीपत

पुराने डंपिंग पॉइंट पर 32 लाख रुपये से बनेगा पार्क

गोहाना। गोहाना के गांव ठसका स्थित पुराने डंपिंग पॉइंट पर नगर परिषद (नप) द्वारा पार्क विकसित किया जाएगा। पार्क निर्माण पर 32 लाख रुपर्य खर्च होंगे। शनिवार को नप चेयरपर्सन रजनी विरमानी ने नारियल फोडक़र पार्क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। चेयरपर्सन रजनी विरमानी के अनुसार पुराना डंपिंग स्टेशन वर्षों से शहर के कचरे के संग्रहण के लिए उपयोग में लिया जाता रहा है। यहां बड़े स्तर पर जमा कूड़े को काफी हद तक हटाया जा चुका है और और शेष सफाई कार्य भी चरणबद्ध तरीके से जारी है। योजना के अनुसार पार्क में चारों ओर वॉकिंग ट्रैक, उचित लाइटिंग व्यवस्था, हरियाली के लिए बड़े स्तर पर पौधारोपण, सीसी रास्ते तथा सार्वजनिक सुविधा के लिए शौचालय का निर्माण किया जाएगा ताकि यह स्थान आम नागरिकों के लिए एक उपयोगी और बेहतर विकल्प बन सके। रजनी ने कहा जिस स्थान को लंबे समय तक कूड़े के रूप में जाना जाता रहा, उसे अब एक बेहतर और सकारात्मक रूप देने का प्रयास किया जा रहा है।

जिया 96.2 व अनुष्कर ने 96% अंक पाए

- सीबीएसई दसवीं की परीक्षा में ईश्वर स्कूल के छात्रों का सराहनीय प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶। गोहाना

गोहाना-सोनीपत मार्ग स्थित ईश्वर इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों का सीबीएसई कक्षा 10वीं की परीक्षा में सराहनीय प्रदर्शन रहा। स्कूल का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। अधिकांश विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। मेधावियों को स्कूल के एमडी अनिल मलिक और प्राचार्या उषा कौशिक ने सम्मानित किया। परीक्षा में छात्रा जिया ने 96.2 प्रतिशत अंक प्राप्त करके स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अनुष्कर 96 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरे और हर्ष 94.2 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। नैंसी 92.2 प्रतिशत, नितेश ने 91.4 प्रतिशत, स्वीन ने 91 प्रतिशत, अमन ने 90 प्रतिशत, महक ने 86.2 प्रतिशत, प्राची ने 82.4 प्रतिशत, लोकेश ने 80.8 प्रतिशत, अक्षित ने 80.4 प्रतिशत और खुशबू ने 80 प्रतिशत अंक हासिल करके सराहनीय प्रदर्शन किया।

सेक्टर-15 में श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ 'गुरुजी का सत्संग'

- सत्संग से संस्कृति से जुड़ाव और सकारात्मक ऊर्जा का होता है संचार

हरिभूमि न्यूज ▶▶। सोनीपत

सोनीपत। सत्संग के दौरान उपस्थित मेघा दिवान एवं श्रद्धालुगण।

सेक्टर-15 स्थित कम्युनिटी सेंटर में 'गुरुजी सत्संग' का भव्य आयोजन किया गया। आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्ति भाव से सराबोर इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर मेघा दिवान ने गुरुजी के चरणों में मत्था टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन भी मेघा दिवान की ओर से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गुरुजी के मंत्रों और भजनों के साथ हुई। "ओम नमः शिवाय, शिवजी सदा सहाय; ओम नमः शिवाय, गुरुजी सदा सहाय" के जाप से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। सत्संग के दौरान श्रद्धालुओं ने गुरुजी के उपदेशों और जीवन दर्शन को स्मरण किया। आयोजन स्थल को फूलों और आकर्षक रोशनी से सुसज्जित किया गया था, जिससे श्रद्धालुओं को मानसिक शांति और सकारात्मकता का अनुभव हुआ।

मेधावी छात्रवृत्ति पुरस्कार से सम्मानित हुए विद्यार्थी

- ओपीएस ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा में सराहनीय प्रदर्शन करने वाले मेधावी सम्मानित किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶। गोहाना

गोहाना। मेधावियों को सम्मानित करते हुए एमडी निर्मल लाठर और प्राचार्य डॉ. मनजीत खासा।

गोहाना-जींद मार्ग स्थित ओम पब्लिक स्कूल (ओपीएस) में शनिवार को आयोजित सम्मान समारोह में सीबीएसई 10वीं की परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लेने वाले 71 विद्यार्थी मेधावी छात्रवृत्ति पुरस्कार से सम्मानित हुए। मार्गदर्शन स्कूल की एमडी निर्मल लाठर का रहा। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. मनजीत खासा ने की और उप प्राचार्या रेखा बजाज का रहा। 99 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली छात्रा विनती और यशवनी को 55 हजार रुपये की छात्रवृत्ति के साथ 31 सौ रुपये नकद पुरस्कार, 98 प्रतिशत प्राप्त जितेश व 97.8 प्रतिशत अंक प्राप्त केशव भी 55 हजार रुपये छात्रवृत्ति पुरस्कार से सम्मानित किए गए। 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त अंश बजाज, नीतिन, निशांत, प्रतीक, कनिष्का, विनीत, आपान गुप्ता, कनक, प्रियांश, दृष्टि, कृतिका, चाहत और अतीक्षा 42 हजार रुपये की छात्रवृत्ति और 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने पर अर्पित, अक्षित, वंश, प्राची, अवनी, विनय, साक्षी, रौनक, मयंक तोमर, लवनीश, दिव्यांशु, विपुल सहराया, वंशिका, अनुभव, साक्षी, अंशिका, शगुन, नकुल स्वामी, अजीत पूनिया, शुभम शर्मा, सक्षम, नेहा, वंशिका, नव्या, समर, प्रताप, खुशी, दिव्यांशी राजपाल, पायल वेदिका सिंह, स्नेहा, प्रिंस कुंडू आदि 21 हजार 5 सौ रुपये की छात्रवृत्ति से सम्मानित हुए।

रातभर पड़ा रहा सिक्योरिटी गार्ड का शव, राहगीरों ने देखा

गोहाना। रोहतक-पानीपत हाईवे के साथ पुराने पानीपत रोड पर हादसे में बाइक सवार सिक्योरिटी गार्ड की मौत हो गई। वह गोहाना में दोस्त के बेटे के जन्मदिन समारोह में शामिल होने के बाद वापस लौट रहा था। वापस लौटते समय पानीपत रोड पर बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। रातभर शव मौके पर पड़ा रहा। सुबह राहगीरों की नजर पडऩे पर पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने नागरिक अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराकर स्वजन को सौंप दिया। पानीपत में गांव बुड़शाम का राजेश एक कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था।

महिला आरक्षण विधेयक के मुद्दे पर राजनीति करना दुर्भाग्यपूर्ण

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के कई बड़े निर्णयों व अहम फैसलों का भी कांग्रेस ने विरोध किया : विधायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶। राई

महिला आरक्षण विधेयक को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए राई हलका विधायक कृष्णा गहलावत ने विधेयक को महिलाओं के अधिकारों से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। विधायक गहलावत ने कहा कि विपक्ष द्वारा महिला आरक्षण विधेयक के मुद्दे पर राजनीति करना दुर्भाग्यपूर्ण है और इससे देश की महिलाओं के हित प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा कि जिस विषय पर सभी दलों को एकजुट होकर समर्थन देना चाहिए था, वहां विपक्ष ने भ्रम फैलाने का प्रयास किया। उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं के अधिकारों के प्रति उनकी सोच स्पष्ट रूप से सामने आ गई है। विपक्षी दल इस मुद्दे को लेकर जनता को गुमराह कर रहे हैं विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का महिला विरोधी चेहरा अब उजागर हो चुका है। उन्होंने कहा कि वर्षों तक कांग्रेस ने महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित रखा और अब जब महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं, तो उसका विरोध किया जा रहा है।

महिला सशक्तिकरण पर राजनीति तेज

कांग्रेस और उसके सहयोगियों का इतिहास रहा है कि वे देशहित के महत्वपूर्ण फैसलों का विरोध करते रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के कई बड़े निर्णयों का उल्लेख करते हुए कहा कि राम मंदिर निर्माण, तीन तलाक कानून, सर्जिकल स्ट्राइक और अनुच्छेद 370 हटाने जैसे अहम फैसलों का भी कांग्रेस ने विरोध किया था। कृष्णा गहलावत ने केंद्र सरकार की नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं लागू की गई हैं। आज महिलाएं शिक्षा, राजनीति, खेल और अन्य क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रही हैं और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। महिला आरक्षण विधेयक महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, जिसका लाभ आने वाले समय में देश की आधी आबादी को मिलेगा। विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि इस विधेयक का विरोध करने वाली कांग्रेस और उसके सहयोगियों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। देश की महिलाएं समय आने पर इसका उचित जवाब देंगी और उन दलों को सबक सिखाएंगी जो उनके अधिकारों के खिलाफ खड़े हैं।

शिक्षा विशेषांक - गन्नौर

नवीन बाल विकास सीनियर सैकेंडरी स्कूल में बेहतर भविष्य के लिए एडमिशन ले

गन्नौर। गांव भिगान में भिगान राजपुर रोड पर स्थित नवीन बाल विकास सीनियर सैकेंडरी स्कूल में बेहतर भविष्य के लिए एडमिशन ले। स्कूल के निदेशक ओम प्रकाश त्यागी ने बताया कि नवीन बाल विकास सीनियर सैकेंडरी स्कूल आज शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहचान बना रहा है। जहां पहले अभिभावक अपने बच्चों को पढ़ाई के लिए शहर भेजना बेहतर समझते थे, वहीं अब इस स्कूल की आधुनिक सुविधाओं और बेहतर शिक्षा प्रणाली के कारण बच्चे गांव के इस स्कूल में शिक्षा ग्रहण करने पहुंच रहे हैं। ओमप्रकाश त्यागी ने बताया कि संस्थान का उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों को उनके जीवन के लक्ष्य तक पहुंचाने और उन्हें एक सफल नागरिक बनाने का है। इसी सोच के तहत स्कूल में पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। खुले वातावरण और स्वच्छ माहौल में शिक्षा मिलने से बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास को भी बढ़ावा मिलता है। त्यागी ने बताया कि स्कूल में योग्य, अनुभवी और समर्पित शिक्षकों की टीम बच्चों को उच्च स्तर की शिक्षा प्रदान कर रही है। समय-समय पर योग शिविर, स्वास्थ्य जांच, शैक्षणिक भ्रमण और विभिन्न सांस्कृतिक व खेल गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। आधुनिक युग की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए स्कूल में तकनीकी आधारित शिक्षा प्रणाली को अपनाया गया है। इसके साथ ही स्कूल में आरओ युक्त स्वच्छ पेयजल, सुरक्षित परिसर और अन्य सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं। बेहतर बच्चों के भविष्य के लिए प्रवेश दिलाए। नन्हे बच्चों के लिए खेल-खेल में शिक्षा देने की विशेष व्यवस्था की गई है, जिससे वे आसानी से सीख सकें और पढ़ाई को बोझ न समझें।

एच के सीनियर सैकेंडरी स्कूल कुराड़- इब्राहिमपुर में बेहतर भविष्य के लिए दिलाए प्रवेश

गन्नौर। एच के सीनियर सैकेंडरी स्कूल कुराड़ इब्राहिमपुर में बेहतर भविष्य के लिए दिलाए प्रवेश, स्कूल कई वर्षो से बेहतर शिक्षा दे रहा है। जानकारी देते हुए स्कूल के प्रधानाचार्य कुलदीप आंतिल ने बताया कि स्कूल नए कीर्तिमान के साथ आगे बढ़ रहा है। नए सत्र में प्रवेश के लिए दाखिले खुले है। अभिभावकों से आग्रह है कि वे अपने बच्चों को प्रवेश दिलाकर उनका भविष्य उज्जवल बनाएं। मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके लक्ष्य तक पहुंचाकर उनके भविष्य को सवारना है। बाहरवीं कक्षा में विज्ञान, कामर्स व आर्ट तीनों संकाय है। प्रधानाचार्य कुलदीप आंतिल ने बताया कि उच्च, शिक्षित व समर्पित स्टाफ, समय समय पर योग कैम्प व मेडीकल जांच, शैक्षणिक भ्रमण, खेलो के लिए कोच की व्यवस्था, तकनीकी आधार पर शिक्षा, आरओ युक्त पानी आदि सुविधा बच्चों को दी जा रही है। कुलदीप आंतिल ने बताया कि हवादार कमरे, खेलने का मैदान, खुला स्वस्थ वातावरण, निशुल्क कम्प्यूटर शिक्षा बच्चों को दी जा रही है। बोर्ड कक्षाओं का शानदार परीक्षा परिणाम स्कूल की पहचान है। गर्मी के मौसम में जनरेटर, ठंडा पानी व बच्चों की जरूरत अनुसार सुविधाएं उपलब्ध करवा रहा है। बच्चों को स्कूल लेकर आने के लिए छोटे वाहन से बड़े वाहन की भी व्यवस्था है। स्कूल के विशाल भवन में पुस्तकालय के अलावा डैस्क- बैंच, सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था की गई है। अभिभावकों अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए स्कूल में प्रवेश दिलाए।

शिक्षा विशेषांक - गन्नौर

एम डी सीनियर सैकेंडरी स्कूल सरढ़ाणा की पहचान, बेहतर शिक्षा शानदार परीक्षा परिणाम व उतम अनुशासन

गन्नौर। गांव सरढ़ाणा में बली कुतुबपुर रोड स्थित एम. डी. सी. सैं स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान बनाए हुए है। स्कूल बेहतर शिक्षा शानदार परीक्षा परिणाम व उतम अनुशासन के लिए जाना जाता है। स्कूल के छात्र बोर्ड की कक्षाओं में प्रदेश में बेहतर स्थान प्राप्त कर स्कूल का नाम रौशन कर चुके है। प्रतियोगिता के दौर में बच्चों की बेहतर शिक्षा सुनहरे भविष्य व उनके सवार्गीण विकास के लिए एम डी स्कूल सरढ़ाणा में अपने बच्चों का प्रवेश दिलाकर उज्जवल भविष्य बनाए। स्कूल के प्रधानाचार्य जोगेन्द्र मलिक ने बताया कि संस्था का उद्देश्य शिक्षा में गुणवता व मैरिट के ग्राफ को बढ़ाना, अंग्रेजी हिन्दी माध्यम की सहशिक्षा, मूलभुत भौतिक सुविधाओं से सम्पन्न शैक्षणिक वातावरण, प्रशिक्षित मेहनती स्टाफ हैं। पढाई के साथ- साथ सामाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियों व खेलों में बच्चों की पूर्ण भागीदारी व प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाता है। मानव मूल्यों, नैतिक कर्तव्यों व अनुशासन पर विशेष बल दिया जाता है। प्रधानाचार्य जोगेन्द्र मलिक ने अभिभावकों से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों का स्कूल में प्रवेश करवाकर उनका भविष्य उज्जवल बनाए। स्कूल में पूरे प्रांगण में सीसीटवी, लाईब्रेरी, साईस लैंब, बच्चों के आवागमन के लिए बस सुविधा, रेगुलर मेडीकल जांच कैम्प, खेलो के लिए मैदान के साथ कोच की व्यवस्था की गई है ताकि बच्चे शिक्षा के साथ खेलो में नाम कमा सके। उन्होंने बताया कि स्कूल में खेलो की तरफ विशेष ध्यान दिया जा रहा है। लड़के व लड़कियों के बहुत ही अच्छे खेल मैदान की व्यवस्था है।

संस्कार भारती स्कूल कामी उज्जवल भविष्य के प्रति सजोए सपने को करता है साकार

गन्नौर। कामी गांव में कुराड़ रोड पर स्थित संस्कार भारती सीनियर सैकेंडरी स्कूल अभिभावकों द्वारा अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य के प्रति सजोए सपने को साकार करता है। स्कूल में छात्रों को बेहतर शिक्षा दी जाती है। स्कूल के निदेशक समय सिंह ने बताया कि स्कूल में खेल मैदान विशाल हैं। योग्य, अनुभवी व प्रशिक्षित शिक्षक है। स्कूल यथानात तथों गुण की कसौटी पर खरा उतरते हुए शिक्षा के क्षेत्र में आयाम कायम कर रहा है। आत्म विश्वास व अनुशासन की भावना को विकसित कर रहा है। स्कूल में प्लेवे पद्वति से बच्चों का चहुंमुख विकास करवाया जाता है। समय समय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। विद्यालय का मूल मंत्र छात्रों को नैतिक मूल्यों की गुणवता युक्त शिक्षा देने के लिए समान अवसर प्रदान करना है। स्कूल में छात्रों के लिए सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध है। शुद्ध पेयजल के लिए आर ओ की सुविधा, स्वच्छ वातावरण, सुन्दर प्रांगण, प्रत्एक कक्षा में सीसीटीवी कैंमरे, कम्पयूटर लैंब, पुस्तकालय व परिवहन की सुविधा है। विद्यालय का हरियाली युक्त खुला शांत वातावरण सवार्गीण विकास में सहायक है। खेल खेल में शिक्षा दी जाती है। ग्रामीण क्षेत्र का बेहतर स्कूल है। निदेशक समय सिंह ने अभिभावकों से स्कूल में प्रवेश दिलाने की अपील की। बेहतर - शांत वातावरण में स्कूल है। इसलिए अपने बच्चों का संस्कार भारती स्कूल में प्रवेश दिलाए।

श्रीराम कृष्ण सीनियर सैकेंडरी स्कूल भिगान शिक्षा के साथ संस्कार व खेलों का अनुठा केन्द्र

गन्नौर। श्रीराम कृष्ण सीनियर सैकेंडरी स्कूल भिगान गांव में जी टी रोड पर हवेली के पास स्थित का हर वर्ष परीक्षा परिणाम बेहतर रहता है। स्कूल प्रशासन ने बच्चों पूर हर समय कड़ी नजर रखते हुए सीसीटीवी कैमरे लगवाने के साथ बसो में जीपीएस व कैमरे की व्यवस्था स्कूल प्रबंधक द्वारा करवा दी गई है। ताकि स्कूल की हर गतिविधि पर हर समय नजर रखी जा सके। स्कूल के निदेशक नीरज त्यागी व वाईस प्रिंसिपल संजना त्यागी ने बताया कि बच्चों के स्कूल आने जाने के लिए बस की व्यवस्था की गई है। स्कूल में छटी कक्षा से भी साईस प्रयोग करवाए जाते है। अनुभवी व शिक्षित शिक्षक, बच्चों को योग की शिक्षा व अग्रेजी में निपुण करने के लिए कक्षाएं भी लगाई जाती है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर विशेष बल दिया जाता है। उन्होंने बताया कि यहा पर कम फीस में उत्तम शिक्षा दी जाती है। निदेशक नीरज त्यागी व वाईस प्रिंसिपल संजना त्यागी ने बताया कि स्कूल बच्चों में अच्छे चरित्र, ईमानदारी व मेहनत के मूल्य को जागृत करने के साथ अच्छे संस्कार दिए जाते है। उन्हें प्रभु भक्त, देश प्रेमी व राष्ट्र निमार्ता बनने की प्रेरणा दी जाती है। हर महीने मेडीकल चैकअप की व्यवस्था की गई है। बच्चों के लिए स्कूल आने जाने के लिए छोटे वाहन से बस तक की व्यवस्था की गई है। निदेशक नीरज त्यागी ने बताया कि योग्य, अनुभवी व प्रशिक्षित शिक्षक के साथ कम्प्युटर शिक्षा अनिवार्य की गई है। स्कूल शिक्षा के साथ खेलो में भी अपनी पहचान बना रहा है। यहां के छात्र शिक्षा प्राप्त कर उच्च विभागों में अपनी सेवाएं दे रहे है। नई शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यालय में पाठ्यचर्या, कौशल विकास के लिए समर्पित विद्यालय है। निदेशक नीरज त्यागी ने बताया कि स्कूल की लक्ष्य छात्रों को बेहतर शिक्षा देने के साथ उनका उज्जवल भविष्य करना है। इसी सोच का परिणाम है कि स्कूल ने ग्रामीण क्षेत्र में अपनी पहचान कायम की है।

शिवालिक पब्लिक सीं सैं स्कूल ने पाई शिक्षा जगत में उन्नति

गन्नौर। खेड़ी गुज्जर रोड गन्नौर में स्थित शिवालिक पब्लिक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ने ऐसा माहौल तैयार किया है। जिसमें बच्चों का मन पढ़ाई में लगे। स्कूल में 11 व 12 वीं कक्षा में साईस, कामर्स व आर्ट तीनों संकाय है। स्कूल में अंग्रेजी व हिन्दी माध्यम की शिक्षा दी जाती है। स्कूल के प्राचार्य रमेश पहल ने बताया कि खेलो को बढ़ावा देने के लिए स्कूल में खेल अकेडमी के साथ विभिन्न खेलो के कोच की व्यवस्था की है। खेलो में स्कूल के छात्र पदक जीतकर स्कूल का नाम रौशन कर रहे है। अध्यापकों की देखरेख में स्कूल का काम करवाया जाता है। जिस कारण हर वर्ष स्कूल का परीक्षा परिणाम बेहतर रहता है। शैक्षणिक कार्यक्रमों के द्वारा विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों व स्वस्थ आदतों का विकास करवाना है। स्कूल के विशाल भवन में पुस्तकालय के अलावा कम्प्युटर लैब, डैस्क- बैंच की व्यवस्था की गई हैं। पढाई के साथ- साथ समाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियों व खेलों में बच्चों की पूर्ण भागीदारी व प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाता है। बच्चों को पीने के पानी के लिए आर ओ व वाटर कूलरों की व्यवस्था है। स्कूल कैपंस व कमरों में सीसीटीवी लगे हुए है। स्कूल के प्रधानाचार्य रमेश पहल ने अभिभावकों से आह्वान किया कि वे अपने बच्चों का स्कूल में प्रेवश करवाकर उनका भविष्य उज्जवल बनाए। स्कूल में लाईब्रेरी, साईस लैंब, बच्चों के आवागमन के लिए बस सुविधा, रेगुलर मेडीकल जांच कैम्प, खेलो के लिए मैदान के साथ कोच की व्यवस्था की गई है। स्कूल ने शिक्षा के क्षेत्र में शहर व गांव में अपनी पहचान बनाई है। प्रधानाचार्य रमेश पहल ने अभिभावकों से आह्वान किया कि वे बेहतर भविष्य के लिए स्कूल में बच्चों का प्रवेश दिलाए।

पी एस पब्लिक स्कूल भुर्री गुणवता युक्त शिक्षा प्रदान करने वाली अग्रणी संस्था

गन्नौर। गन्नौर- सोनीपत मार्ग पर भुर्री गांव के पास स्थित पी.एस. पब्लिक स्कूल अपनी गुणवतायुक्त शिक्षा के लिए जाना माना नाम है। विद्यार्थी यहां पर स्वयं कार्य करके विभिन्न शैक्षणिक कौशलो विद्यालय का समस्त स्टाफ कर्तव्य प्रायणता का सजीव प्रतिबिम्ब है ताकि छात्र उनका अनुसरण करके जीवन में व्यवहारिक मूल्यों का विकास कर सके। स्कूल की प्रत्एक गतिविधि छात्रों द्वारा स्वयं संचालित की जाती है ताकि वे व्यवहारिक जीवन में इन कौशलों का प्रयोग कर सके। शिक्षक इन सभी गतिविधियों के संचालन में मार्गदर्शक की भूमिका में हमेशा इनके साथ रहते हैं। विद्यालय प्रधानाचार्य नवीन कुमार, निदेशक संजीव कुमार अपने शैक्षणिक अनुभवो से विद्यालय के सभी शिक्षकों के साथ उचित-सामजस्य बनाए रखते हुए पप्रत्एक गतिविधि का सत्त मूल्यांकन करते रहे है ताकि उपयुक्त फीड बैंक, उचित समय पर छात्रों तथा शिक्षकों को दिया जा सके। विद्यालय में बाल वाटिका से लेकर कक्षा बाहरवीं तक विज्ञान, वाणिज्य एवं कला संकाय की शिक्षा प्रदान करता है। विद्यालयों में सभी प्रकार की आधुनिक सुविधाएं, प्रयोगशालाए, खेल गतिनिधि, पाट्य सहायक क्रियाएं, पूरे फ्रंगण में सीसीटीवी, छात्रों का भ्रमण आदि समयबद्ध आयोजन किया जाता है। विद्यालय निदेशक संजीव कुमार के अनुसार अभिभावक अपने बच्चों के सवार्गीण विकास एवं उज्जवल भविष्य के लिए अपने बच्चों का वर्तमान हमारे योग्य शिक्षकों को सौंपते है और भविष्य की विभिन्न परिस्थितियों के हल के लिए निश्चित हो जाते है। स्कूल का परीक्षा परिणाम हर साल परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहता हैं। अत राष्ट्र के विकास के लिए बच्चों के बहुमूल्य संसाधन बनाने के लिए अपने बच्चों का वर्तमान विद्यालय को लाभ ले। अपने बच्चों को प्रवेश दिलाए, बेहतर भविष्य बनाए।

रतिराम मैमोरियल सीं सैं स्कूल खुबड़ू की शिक्षा के साथ खेलो में है पहचान

गन्नौर। खुबड़ू गांव में रतिराम मैमोरियल सीं मैं स्कूल अभिभावकों द्वारा अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य के प्रति सजोए सपने को साकार करता है। स्कूल में 11 वीं 12 वीं मेडीकल, आर्टस, कामर्स की कक्षाओं में बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण कर रहे है। प्रधानाचार्या रतन बाला धनखड़ व प्रबंधक रविन्द्र धनखड़ ने बताया कि स्कूल में हर कक्षा में कैमरे लगवाने के साथ आधुनिक शिक्षा की व्यवस्था की गई हैं। बच्चों के आवागमन के लिए बसों की सुविधा है। गर्मी में शीतल व आरओ युक्त पानी की सुविधा है। स्कूल में कबड्डी, एथलैटिक्स आदि खेल मैदान है। योग्य, अनुभवी व प्रशिक्षित शिक्षक के साथ पहली से बाहरवीं कक्षा तक कम्प्युटर शिक्षा अनिवार्य की गई है। शानदार परीक्षा परिणाम इसकी पहचान है। ग्रामीण क्षेत्र में स्कूल ने शिक्षा व खेलो में अच्छी पहचान कायम की है। खेलो में स्कूल के छात्रों ने विभिन्न पदक जीतकर नाम रौशन किया है। निदेशक रविन्द्र धनखड़ ने बताया कि हवादार कमरे, खेलने का मैदान, खुला स्वस्थ वातावरण, कम्प्यूटर शिक्षा बच्चों को दी जा रही है। हर साल बोर्ड कंक्षाओं का शानदार परीक्षा परिणाम स्कूल की पहचान है। बच्चों को स्कूल लेकर आने के लिए छोटे वाहन से बड़े वाहन की भी व्यवस्था है। स्कूल के विशाल भवन में पुस्तकालय के अलावा कम्पयुटर लैब, डैस्क-बैंच, सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था की गई है। धनखड़ ने अपील कि बेहतर भविष्य के लिए प्रवेश दिलाए अभिभावक।

जय भारत पब्लिक स्कूल खेड़ी गुज्जर छात्रों का बनाता बेहतर भविष्य, अभिभावक दिलाए प्रवेश

गन्नौर। जय भारत पब्लिक स्कूल खेड़ी गुज्जर छात्रों का बेहतर भविष्य बनाता है, अभिभावक अपने बच्चों को प्रवेश दिलाएं। पिछल्ले कई सालों से बेहतर परिणाम लाकर परीक्षा परिणाम बेहतर रहते हुए अपनी विशेष पहचान बनाए हुए है। स्कूल के प्रधानाचार्य देवेन्द्र सिंह पहल ने बताया कि बेहतर परीक्षा परिणाम आने पर कई बार देवा सोसाइटी द्वारा स्कूल के छात्रों को स्कूटी व अन्य पुरस्कार देकर सम्मानित किया जा चुका है। संस्था के प्रधान रमेश खत्री ने बताया कि स्कूल की शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान हैं। स्कूल में शिक्षा के साथ विभिन्न खेलो पर बल दिया जाता है। जिस का परिणाम है कि स्कूल के साथ खेलो में नाम रौशन कर रहे है। प्रधानाचार्य देवेन्द्र सिंह पहल ने अभिभावक से अपील की है कि वे अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए संत विवेकान्नद स्कूल में प्रवेश दिलाकर उज्जवल भविष्य बनाए। पहल ने बताया कि संस्था का पूरा प्रयास हैं कि स्कूल के छात्र बेहतर शिक्षा के साथ खेलो में मुकाम हासिल करे। इसी लक्ष्य को लेकर स्कूल के प्रधानाचार्य के नेतृत्व में शिक्षक मेहनत करवाते हैं। स्कूल में स्कूल में लाईब्रेरी, साईस लैंब, बच्चों के आवागमन के लिए बस सुविधा, रेगुलर मेडीकल जांच कैम्प, खेलो के लिए मैदान के साथ कोच की व्यवस्था की गई है। अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए जय भारत स्कूल में प्रवेश दिलाए और अपने बच्चों का भविष्य बेहतर बनाए।

चाइल्ड केयर इंटरनेशनल स्कूल शेखपुरा विद्यार्थियों के सर्वागीण विकास व सपने को साकार करता है

गन्नौर। चाइल्ड केयर इंटरनेशनल स्कूल शेखपुरा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास व सपने को साकार करता है। बच्चा घर की चार दिवारी से निकलकर अपने सर्वांगीण विकास हेतु विद्यालय में प्रवेश लेता है और विभिन्न प्रकार की शिक्षा ग्रहण कर अपना चहुमुखी विकास करता है। इसी सपने को साकार करने की राह पर चाइल्ड केयर इंटरनेशनल स्कूल शेखपुरा (गन्नौर) अपने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर जोर देता है तथा यह विभिन्न प्रकार की सुविधाओं से भी परिपूर्ण है। इसका भवन ऐसी जगह पर है ताकि विद्यार्थियों को शांति व उचित माहौल के साथ पढ़ाया जा सके। यहां विद्यार्थियों की पढ़ाई के साथ-साथ सभ्यता और संस्कृति से भी उनको जोड़कर रखा जाता है ताकि वह एक सभ्य नागरिक बन सके तथा इसमें सभी त्योहार जयंती तथा सभी उत्सवों का महत्व समझाया जाता है। खेलों के क्षेत्र में भी यह विद्यालय अग्रणीय है। खेलो की बेहतर व्यवस्था के कारण छात्र विभिन्न खेलो में पदक प्राप्त कर रहे है। यह गर्व की बात है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में तीसरा स्थान जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय में भी विशेष तौर पर ऐसे विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाता है जिसे सभी विद्यार्थियों को प्रेरणा मिल सके तथा उनमें आगे बढ़ाने का नेतृत्व मिल सके। विद्यालय में गर्मी के मौसम से बचने के लिए ऐसी की सुविधाएं हैं तथा उचित पेयजल तथा स्मार्ट क्लास भी उपस्थित है ताकि आज के समय के तकनीकी माहौल को विद्यार्थियों से अवगत कराया जा सके। विद्यालय विद्यार्थियों के संपूर्ण अथवा सर्वांगीण विकास पर पूर्णतया बल देता है। इसलिए अभी अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए प्रवेश दिलाकर पहला कदम उठा सकते हैं।

नव ज्योति सीनियर सैकेण्डरी स्कूल खुबड़ू-भावर ने शिक्षा जगत में बनाई पहचान

गन्नौर। गन्नौर-गोहना मार्ग पर कैलाना मोड़ के पास स्थित नव ज्योति सीनियर सैकेण्डरी स्कूल खुबड़ू-भांवर ने नई शुरूआत करते हुए शहरी बच्चों का गांव के स्कूल में पढने का रूझान बढ़ाया है। आज शहर से बच्चे नव ज्योति स्कूल में पढने जा रहे है। स्कूल के प्राचार्य राजेन्द्र कौशिक ने बताया कि स्कूल का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके लक्ष्य तक पंहुचाकर उन्हें सफल बनाना है। स्कूल के प्रयास के कारण बच्चे गांव के खुले वातावरण में पढने जाते है। कौशिक ने बताया कि उच्च, शिक्षित व समर्पित स्टाफ, समय- समय पर योग कैम्प व मेडीकल जांच, शैक्षणिक भ्रमण, खेलो के लिए कोच की व्यवस्था, तकनीकी आधार पर शिक्षा, आरओ युक्त पानी आदि सुविधा बच्चों को मिलती है। छोटे बच्चों को खिलौनो के माध्यम से भी ज्ञान दिया जाता है ताकि बच्चे आसानी से पढाई पढ सके। कई बार संस्था बेहतर कार्य करने पर उपमंडल प्रशासन के अलावा विभिन्न समाज सेवी संस्थाओं से शिक्षा के साथ सामाजिक कार्यो में बेहतर रूचि लेने के कारण भी सम्मानित हो चुकी है। खेलो में भी बच्चे पदक प्राप्त कर रहे है। प्राचार्य राजेन्द्र कौशिक ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों के सुनहरी भविष्य के लिए नेव ज्योति स्कूल में प्रवेश करवाएं ताकि आपके बच्चे का भविष्य उज्जवल हो सके।

विशेषः पृथ्वी दिवस
22 अप्रैल

केवल धरती पर ही जीवन संभव है, यह जानने के बावजूद जाने-अनजाने हम धरती को तरह-तरह से नुकसान पहुंचा रहे हैं। दुनिया भर के वैज्ञानिक मानते हैं कि सौरमंडल के सबसे खूबसूरत ग्रह धरती को बचाना किसी एक सरकार या संगठन का काम नहीं, बल्कि हम सबकी जिम्मेदारी है। हमें जागरूक होना होगा, बदलाव के छोटे-छोटे कदम उठाने होंगे, तभी आने वाली पीढ़ियों के लिए हम अपनी प्यारी धरती को सुरक्षित रख पाएंगे।

हम सब मिलकर बचाएं अपनी प्यारी धरती

{आवरण कथा / रजनी अरोड़ा}

धरती जीवन का आधार है, जो एक निःस्वार्थ मां की तरह मानव के लिए अनुकूल, सुंदर प्राकृतिक वातावरण ही प्रदान नहीं करती। उसकी मूलभूत जरूरतें (भोजन, पानी, हवा, वस्त्र, घर) भी मुहैया कराती है। विडंबना है कि मनुष्य अपने विकास और सुख-सुविधाएं पाने की अंधाधुंध दौड़ में जाने-अनजाने इसी धरती को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा रहा है। दिनों-दिन बढ़ते मानव अतिक्रमण की वजह से जहां प्राकृतिक संसाधनों की निरंतर कमी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं कई घरेलू-व्यावसायिक कार्य-कलाप वायुमंडल में कार्बन उत्सर्जन यानी कार्बन डाई-ऑक्साइड और अन्य ग्रीन हाउस गैसों का लेवल निरंतर बढ़ाने में जिम्मेदार हैं। नासा और इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) की रिसर्च के अनुसार पिछले 150 वर्षों में धरती का औसत तापमान लगभग 1.2 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। इसका असर केवल प्रकृति पर ही नहीं, बल्कि खेती, पानी, मानव स्वास्थ्य और जीव-जंतुओं के जीवन पर भी पड़ रहा है। इन संकटों से अपनी धरती को बचाने के लिए हम सभी को अपने स्तर पर हर संभव प्रयास करने होंगे।

पर्यावरण की करें सुरक्षा

धरती को बचाने के लिए सबसे जरूरी है पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होना, अच्छी आदतें अपनाना, बच्चों और दूसरों को भी प्रेरित करना। परिवार में ग्रीन रूल बनाएं और उन्हें अमल करने के लिए सजग रहें। पर्यावरण नीतियों को लेकर सचेत रहें। अपने इलाके में हरित नीतियां (पेड़ लगाने, कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक परिवहन सुधार) लागू करवाने की मांग करें। पर्यावरण संगठनों से जुड़ें।

घर को बनाएं ग्रीन होम

घर में ऊर्जा की खपत, कार्बन उत्सर्जन का सबसे बड़ा कारण है। ऊर्जा संरक्षण के लिए जब जरूरत न हो तो कमरे की लाइट, पंखे बंद कर दें। इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब यूज न कर रहे हों तो स्विच ऑफ कर दें। स्टैंडबाय में भी बिजली खर्च होती है। दिन में प्राकृतिक रोशनी का अधिक उपयोग करें। साधारण बल्ब की तुलना में एलईडी बल्ब 75 प्रतिशत कम बिजली खर्च करता है और 10 गुना अधिक चलता है। यह छोटा बदलाव बिजली का बिल कम करता है और कार्बन उत्सर्जन भी। पुराने एसी, फ्रिज और वॉशिंग मशीन बहुत अधिक बिजली खर्च करते हैं। 5 स्टार रेटिंग वाले उपकरण खरीदें। इनसे 30-40 प्रतिशत बिजली बचती है। घर की छत पर सोलर पैनल लगवाना या किसी अक्षय ऊर्जा प्रदाता की मदद से बिजली लेना काफी कारगर है। यह वन-टाइम इंवेस्टमेंट है, जो आने वाले तकरीबन 25 साल तक मुफ्त बिजली देता है। सरकार इसमें सब्सिडी भी देती है। एसी को 24-25 डिग्री पर ही चलाएं। हर एक डिग्री कम करने पर 6 प्रतिशत अधिक बिजली खर्च होती है।

घर की एयर सीलिंग यानी दरवाजों और खिड़कियों की दरारें बंद करना, ऊर्जा बचत का सबसे किफायती तरीका है। इससे गर्मियों में ठंडक और सर्दियों में गर्माहट बनी रहती है और हीटिंग-कूलिंग का खर्च 15-30 प्रतिशत तक कम हो जाता है। घर में गैस या कोयले की जगह इलेक्ट्रिक हीट पंप लगाने से कार्बन फुटप्रिंट में 100 किलो कार्बन डाई-ऑक्साइड प्रति वर्ष की कमी आ सकती है। वॉशिंग मशीन हमेशा फुल लोड पर चलाएं। पानी का टेंपरेचर नॉर्मल रखें। पानी गर्म करने में एनर्जी की खपत 75-90 प्रतिशत बढ़ जाती है यानी बिजली का बिल बढ़ जाता है। इसी तरह कपड़े क्लॉथ-ड्रायर में सुखाने के बजाय बाहर धूप या खुली हवा में सुखाएं, क्योंकि वॉशिंग मशीन का क्लॉथ-ड्रायर घर में इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों (जैसे- फ्रिज, टीवी, डिशवॉशर, एसी, लैपटॉप से कहीं ज्यादा बिजली खर्च करता है।

भोजन ना करें वेस्ट

दुनिया के कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में लगभग 26 प्रतिशत भाग खाद्य उत्पादन का रहता है। इसलिए खाने को वेस्ट ना करें। दुनिया में उत्पादित खाने का एक-तिहाई हिस्सा बर्बाद होता है। यानी खाद्य पदार्थ उगाने में लगा पानी, बिजली और मेहनत, सब बेकार। ऐसे में जरूरत के अनुसार ही खाना बनाना चाहिए। अगर खाना बचता भी है तो उसे फेंकने के बजाय अगले मील में खा लें या जरूरतमंद को दे दें।

सिंगल-यूज प्लास्टिक है हार्मफुल

आज प्लास्टिक-प्रदूषण की समस्या बहुत गंभीर हो चुकी है। इससे बचने के लिए सिंगल-यूज प्लास्टिक की चीजों (पॉलिथीन, प्लास्टिक कप, स्ट्रॉ, बर्तन) का प्रयोग कम से कम करें। कपड़े का थैला, स्टील की बोतल और हर्बल टूथब्रश अपनाएं। पानी के लिए रियूज होने वाली बोतल का इस्तेमाल करें।

कार्यस्थल में रखें ध्यान

अपने कार्यस्थल पर भी छोटे-छोटे प्रयासों से धरती को संरक्षित करने में अपना सहयोग आप दे सकते हैं। एंवॉयर्नमेंट फ्रेंडली सामग्री, एलईडी लाइट, ऊर्जा बचाने वाले उपकरण और कचरे का उचित प्रबंधन वाले उपकरणों का यूज करें। कागज की जगह डिजिटल दस्तावेज उपयोग करें। प्रिंट करना जरूरी हो तो पेपर के दोनों तरफ प्रिंट करें। व्यावसायिक मुद्दों पर परिचर्चा करने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग को बढ़ावा दें ताकि समय और ऊर्जा की बचत हो। ऑफिस जाने के लिए अकेले कार ड्राइव करके जाने के बजाय कारपूल की आदत डालें। यानी एक गाड़ी में 4 लोग जाएं तो कार्बन उत्सर्जन 75 प्रतिशत कम होता है। मेट्रो, बस, ट्रेन जैसे सार्वजनिक परिवहन में सफर करें। अगर नई गाड़ी खरीदनी हो तो इलेक्ट्रिक वाहन खरीदें। इसमें सब्सिडी भी मिलती है। इससे पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता तो कम होगी ही, प्रदूषण भी कम होगा। कम दूरी के लिए साइकिल या पैदल चलने की आदत डालें। पर्यावरण के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए भी बेहतरीन है।

अधिक से अधिक पेड़ लगाएं

पेड़-पौधे धरती को खूबसूरत हरा-भरा ही नहीं बनाते, भूमि में कटाव कम कर मजबूती लाने, भूमि की उर्वरता बढ़ाने, पर्यावरण को प्रदूषण रहित रखने में भी मदद करते हैं। हमें जीवनदायी ऑक्सीजन देते हैं और अपने जीवनकाल में तकरीबन 1 टन कार्बन डाई-ऑक्साइड सोखते हैं। आप अपने जन्मदिन, शादी की सालगिरह या किसी भी खास मौके पर पेड़-पौधे लगाने की परंपरा शुरू कर सकते हैं। कॉरपोरेट ट्री प्लांटेशन ड्राइव में शामिल होकर विभिन्न प्रजाति के पेड़-पौधे लगाकर ऑफिस कंपाउंड में हरियाली बढ़ाएं। हमारे ऐसे प्रयासों से भी धरती पर हरियाली बढ़ेगी। *

जल संरक्षण भी है जरूरी

जलवायु परिवर्तन से पानी का संकट भी धरती पर बढ़ता जा रहा है। दुनिया के कई देशों समेत भारत के कुछ राज्यों में भी भूजल स्तर तेजी से गिर रहा है। जल संरक्षण के लिए भी हम कुछ प्रयास कर सकते हैं। जैसे-ब्रश करते समय नल बंद रखना, कम समय में नहाना और टपकते नलों को ठीक करवाना। ऐसी छोटी-छोटी आदतें मिलकर हजारों लीटर पानी बचा सकते हैं। घर की छत पर वर्षा जल संग्रह प्रणाली लगाएं। यह पानी बगीचे, गाड़ी धोने और फ्लश के लिए उपयोग हो सकता है। बाजार में ऐसे नल उपलब्ध हैं, जो 50 प्रतिशत तक कम पानी उपयोग करते हैं लेकिन दबाव उतना ही रहता है। इससे पानी की बचत होती है। दुनिया के समुद्रों, नदियों में बेशुमार प्लास्टिक जमा हो चुका है। धरती पर मौजूद जल को संरक्षित करने के लिए हमें सजग होना होगा।

केवल एक दिन ही नहीं रोज मनाएं पृथ्वी दिवस

विगत कई दशकों से हम जाने या अंजाने अपनी धरती को नुकसान पहुंचाते आ रहे हैं। आज धरती के अस्तित्व पर ही संकट मंडराने लगा है। ऐसे में अब यह हमारी ही जिम्मेदारी है कि पृथ्वी संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास करें। हर वर्ष मनाया जाने वाला पृथ्वी दिवस, हम सबको यही संदेश देता है।

{अवेयरनेस / लोकमित्र गौतम}

धरती हम सभी के जीवन का आधार है। लेकिन विडंबना देखिए कि हम सब धरतीवासी इसे ही सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहे हैं। ऐसे में हर साल 22 अप्रैल को मनाया जाने वाला पृथ्वी दिवस, केवल एक तारीख भर नहीं है बल्कि समूचे मानव समुदाय को एक चेतावनी और सामूहिक संकल्प का प्रतीक भी है।

इस दिन की महत्ताः पृथ्वी दिवस हमें याद दिलाता है कि विकास की अंधी दौड़ में हम अपनी जड़ों को ही नष्ट करते जा रहे हैं। बढ़ता प्रदूषण, घटते जंगल और दिनोंदिन डराता जलवायु परिवर्तन, ये सब संकेत हैं कि हमें अपनी सोच और पृथ्वी मां के साथ किए जाने वाले अपने व्यवहार को बदलने की जरूरत है। पृथ्वी दिवस हमें इस बात की भी प्रेरणा देता है कि हमारे छोटे-छोटे प्रयासों से बड़ी-बड़ी जिम्मेदारियां आसानी से निभ सकती हैं ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित पृथ्वी, एक स्वच्छ वातावरण और संतुलित पर्यावरण मिल सके।

पृथ्वी दिवस की शुरुआतः पृथ्वी दिवस की शुरुआत पिछली सदी में 1970 में हुई थी। इसके पीछे उस समय की वैश्विक स्थितियां जिम्मेदार हैं। सन् 1960 के दशक में अमेरिका सहित दुनिया के कई हिस्सों में औद्योगीकरण तेजी से बढ़ रहा था, लेकिन पर्यावरण संरक्षण पर कोई खास ध्यान नहीं दिया जा रहा था। नदियां प्रदूषित हो रही थीं, हवा दिन पर दिन जहरीली हो रही थी और जैव-विविधता लगातार खतरे में थी। इसी सबको देखते हुए अमेरिकी सीनेटर गेलॉर्ड नेल्सन ने पर्यावरण के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 22 अप्रैल 1970 को पृथ्वी दिवस का आयोजन किया। इस दिन करीब 2 करोड़ लोग सड़कों पर उतरे और पर्यावरण संरक्षण की मांग की। यह एक ऐतिहासिक जन-आंदोलन बन गया। इसके बाद धीरे-धीरे यह विभिन्न वैश्विक अभियानों में बदल गया और आज दुनिया भर के 190 से ज्यादा देश पृथ्वी दिवस मनाते हैं।

अधिक प्रासंगिक है आजः पृथ्वी दिवस की प्रासंगिकता, इसके शुरू किए जाने के समय से कहीं ज्यादा आज है। हम जिन समस्याओं विशेषकर पर्यावरणीय समस्याओं का आज सामना कर रहे हैं, इससे पहले ये कभी इस कदर भयानक नहीं थीं। बढ़ते तापमान, पिघलते ग्लेशियर आज जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण हैं। दिल्ली जैसे शहरों की हवा प्रदूषण के कारण इस कदर जहरीली है कि दुनिया के कई स्वास्थ्य संगठन कह चुके हैं कि दिल्ली में पूरी जिंदगी गुजारने का मतलब है, अपनी जिंदगी के 10 साल कम कर लेना। लगभग यही हाल जल संकट के मामले में भी है। किसी एक देश में नहीं बल्कि पूरी दुनिया आज जल संकट से गुजर रही है। अगर बात वनों के विनाश या जैव-विविधता के नुकसान की करें तो जितना कहें, वह कम होगा। तमाम चेतावनियों और वैज्ञानिक अध्ययनों से निकले निष्कर्षों के बावजूद हर साल दुनिया से लाखों हेक्टेयर जंगल खत्म हो रहे हैं। यह गंभीर चिंता का विषय है।

वैश्विक है संकटः पृथ्वी में हर तरीके के सकारात्मक वातावरण के क्षरण का यह संकट किसी एक देश का संकट नहीं है, दुनिया के हर हिस्से में यही हो रहा है। अपवाद के तौर पर अगर कुछ देश इस विनाश के हिस्सेदार नहीं हैं, तो दूसरों के कारण उन्हें इसकी सजा भुगतनी पड़ रही है। जहां तक अपने देश भारत का सवाल है, तो हमारे यहां तेजी से बढ़ते शहरीकरण के कारण पर्यावरण पर बहुत गहरा दबाव है। खेती में रासायनिक उर्वरकों की अधिकता और लगातार मिट्टी के अनुर्वरक होते जाने के कारण फसलों का खाद पर ज्यादा से ज्यादा निर्भर होते जाना, जहां चाहकर भी मृदा प्रदूषण से हम बच नहीं सकते, वहीं नदियों का प्रदूषण भी दिनोंदिन गहराता जा रहा है। हालांकि हाल के दिनों में हमारे देश में कई सकारात्मक पहलें भी देखने को मिली हैं। मसलन सौर ऊर्जा मिशन के बढ़ते कदम, प्लास्टिक प्रतिबंध के आधे-अधूरे ही सही पर लगातार बार-बार चलाए जाने वाले अभियान, किचन गार्डेनिंग और ऑर्गेनिक खेती के हो रहे प्रयास, ये दिखाते हैं कि अगर इच्छाशक्ति हो तो धरती को बर्बाद होने से हम सब सामूहिक प्रयासों से बचा सकते हैं।

छोटे कदम भी हैं महत्वपूर्णः पृथ्वी दिवस की सार्थकता तभी होगी, जब हर आदमी आगे बढ़कर इसके संरक्षण में अपना योगदान देगा। अगर हम लोग संकल्प ले लें कि रोजमर्रा की जिंदगी में प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे, पानी, बिजली की अंधाधुंध बर्बादी नहीं करेंगे, पेड़ लगाएंगे और लगे हुए पेड़ों की देखभाल करेंगे, तो इतना भर करने से ही पृथ्वी के सामने जो समस्याएं मुंह बाए खड़ी हैं, इनमें से आधी खत्म हो जाएंगी और अगर सरकार, विभिन्न संस्थाएं और समाज इसके विरुद्ध उठ खड़ा हो तब तो तमाम परेशानियों से मुक्त हो सकते हैं। *

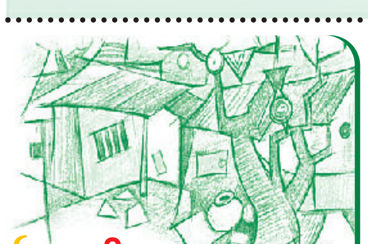

{कविता / घमंडीलाल अग्रवाल}

मेरा गांव

मिट्टी में मुक्तक मिलते हैं
गलियों-गलियों गीत,
गाय-भैंस के रंभाने में
कविता और अगीत।
छप्पर ऊपर की खपरैलें
अर्पण करती लेख,
टेढ़ी पगडंडियां खींचती
उपन्यास की रेख।
जन-जन की बोली उपजाती
मधुर हास्य की गंध,
पहनावों में पहेलियों के
कई संकलन बंद।
नूतन प्रेमकथा देने की
पनघट ने ली ठान,
शेर, गजल, गीतिका लुटाती
अधरों की मुस्कान।
यहां रहट की ध्वनियां देतीं
एकांकी के भाव,
लेखक, कथाकार, कवि, शायर
लोगो, मेरा गांव।

{व्यंग्य / पूरन सरमा}

बस हो या रेल सब में दुर्जन यात्रा कर रहे हैं, वे आएंगे और आपकी सज्जनता का लाभ उठाकर आपकी सीट हथिया लेंगे। आप खड़े-खड़े परेशान होते रहेंगे और दूसरा सहयात्री पूरी सीट पर पांव फैलाकर बैठा रहेगा।

त्याग दीजिए नैतिकता

हालांकि आप अब तक नैतिकता का त्याग कर ही चुके होंगे, लेकिन यदि नहीं किया है तो नेक सलाह मानकर इसे अविलंब त्यागिए। इसमें बंधे रहना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। त्याग और बलिदान का युग नहीं है यह। यह युग घोर स्वार्थ-परकता, अन्याय, छल, कपट तथा प्रपंच का है। आपने थोड़ी-सी भी शालीनता बरती कि गए काम से। नैतिकता से आदमी में निष्ठा, लगन व मेहनत के भाव जन्म लेते हैं और ये भाव अब गिर चुके हैं। इन भावों को अपनाने से आदमी का पतन होता है तथा लोककल्याण की चक्की में पिसकर नष्ट हो जाता है। श्रद्धा, आदर्श, परोपकार एवं ईमानदारी जैसे शब्द अब महत्त्व खो चुके हैं। इनके अर्थ समझने की कोशिश मत करिए। वैसे तो शब्दकोषों के जो नए संस्करण आएंगे, उनमें आपको ये शब्द ही नहीं मिलेंगे। इसलिए नैतिकता को त्यागिए और स्वार्थ की अंधी दौड़ में शरीक हो जाइए, तब तो आपकी नैया इस भवसागर से पार हो जाएगी, अन्यथा इसी में डुबकी लगाते रहेंगे।

दफ्तर में जिस व्यक्ति के पास जरा-सी भी नैतिकता है, बस वही तकलीफ पा रहा है। वर्ना दूसरे तमाम लोग बाहर गुमटियों पर चाय-समोसे उड़ा रहे हैं, पान की पीकें उगल रहे हैं। आपने ही कौन-सा च्यवनप्राश खाया है, जो सारा कौशल दिखाकर पूरे दफ्तर के कार्य को निपटाना चाहते हैं। काम मत कीजिए, बस बात कीजिए। वेतन काम करने का नहीं, ऑफिस में हाजिरी लगाने का मिलता है, वह आप कर ही देते होंगे। काम करने के लिए घूस, रिश्वत तथा भेंट आदि का चलन है। भ्रष्टाचार किसलिए फैलाया गया है? बस इनका लाभ उठाइए। यह लाभ उठाने के लिए होता है, त्यागने के लिए नहीं। वेतन तो उन लोगों को भी यथासमय मिल रहा है, जो काम नहीं करते, फिर आपको कौन-सा हार्ड ड्यूटी एलाउंस मिल रहा है। यह आपकी नैतिकता ही तो है, जो आपको चैन नहीं लेने देती। नैतिकता बड़ी खराब है, जिसमें एक बार घुस जाए, निकलने का नाम ही नहीं लेती है। मेरी तमाम सज्जनों से अपील है कि वे आपनी सज्जनता को त्यागें। युग बड़ा खराब है, सब घात लगाए बैठे हैं। आपको गच्चा देने की फिराक में है दुनिया। दुर्जनता को अपनाइए, आपकी सारी समस्याएं हल हो जाएंगी। समस्याओं के पहाड़ तैयार करने हैं तो सज्जन बने रहिए। यकीन न हो तो अभी आप सज्जनता के पक्ष में जनमत संग्रह करवाकर देखिए, आप अकेले रह जाएंगे। अगर यह सोचते होंगे कि यूनियन बना लेंगे, तो यह भी दिवास्वप्न है। वैसे यूनियनबाजी सज्जन आदमी कर भी नहीं सकता। इसके लिए भी आपको घाट-घाट का पानी पीने के बाद सज्जनता का पाजामा हर हालत में उतार कर फेंकना होगा। जो आदमी युग की नब्ज नहीं पहचानता, वह पछताता है। यदि आप पछताने का चाव रखते हैं तो जरूर, नैतिकता को अपनाए रहें।

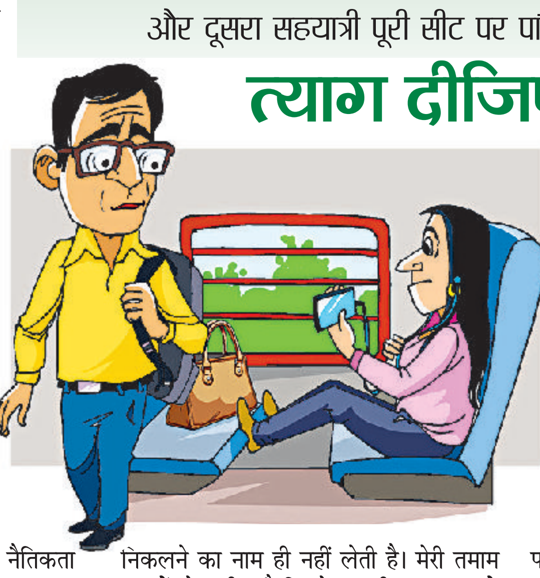

सज्जनता आपके भीतर होगी तो आप पब्लिक ट्रांसपोर्ट में कोई भी यात्रा आराम से नहीं कर सकेंगे। यात्रा के दौरान आपके पास जब भी कोई महिला आएगी तो खड़े होकर आप उसे बैठने को स्थान दे देंगे। अब आप खड़े रहिए, घंटे-दो घंटे। बस हो या रेल सब में दुर्जन यात्रा कर रहे हैं, वे आएंगे और किसी न किसी तरह आपकी सज्जनता का लाभ उठाकर आपकी सीट हथिया लेंगे। आप में शालीनता, विनम्रता और सदाशयता कूट-कूट कर जो भरी है, उसी का परिणाम है कि आप खड़े-खड़े परेशान होते रहेंगे और दूसरा सहयात्री पूरी सीट पर पांव फैलाकर बैठा रहेगा। आपकी हिम्मत नहीं होगी कि आप उससे यह कह दें कि वे अपने पांव समेट लें। काश, इस समय आपके पास दुर्जनता होती, लफंगई होती तो आपको सीट मिल जाती। शिष्टाचार इस युग की घोर बुराई है। आप बुराई अपनाते हैं तो यह मूर्खता नहीं तो और क्या है?

मेरी तो यही सलाह है कि आप में जो भी उच्च संस्कार बतौर इंसानियत के पैदा हो गए हैं, उन्हें अपने वैयक्तिक जीवन के हित संरक्षण के लिए अविलंब त्याग दीजिए। *

{पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण}

चंडीदत्त रचना-समग्र

अपने छोटे से जीवन में ही चंडीदत्त शुक्ल ने पत्रकारिता के साथ साहित्य लेखन में भी अलग पहचान बना ली थी। उनकी उपलब्ध अठहत्तर कविताओं, कहानियों और साक्षात्कार का संकलन 'चंडीदत्त रचना समग्र' पुस्तक के रूप में हाल में प्रकाशित हुआ है। इन रचनाओं से गुजरते हुए उनकी साहित्य की गहरी समझ और नई दृष्टि से रचने की प्रतिभा प्रमाणित होती है। 'जब मन का हर डर मर जाए', 'हंसती खेलती औरत', 'सो जाओ कि रात बहुत गहरी है' जैसी अनेक कविताएं और 'फिर आना अखिलेश और हंसना जोर-जोर से..', 'एक आंसू गुनगुनाता रहा रात भर' जैसी कहानियां उनके क्रिएटिव रेंज की तस्दीक करती हैं। पुस्तक में संकलित साक्षात्कार में उन्होंने अपने आरंभिक जीवन और साहित्यिक सरोकार पर बेबाक विचार भी व्यक्त किए हैं। साहित्य से आम लोगों की बढ़ती दूरी के बारे में चंडीदत्त के यह विचार ध्यान देने योग्य हैं, 'इन दिनों बहुतेरा साहित्य अमूर्त भाषा और भाव के साथ लिखा जा रहा है, जिससे जुड़ पाना सामान्य पाठक के बस का नहीं है।' *

पुस्तकः चंडीदत्त रचना-समग्र, **संपादकः** डॉ. शैलेंद्र नाथ मिश्र-राजेश ओझा, **मूल्यः** 299 रुपए, **प्रकाशकः** श्वेतवर्णा प्रकाशन, नई दिल्ली, नोएडा

{लघुकथा / गोविंद भारद्वाज}

मजदूर

भाई साहब पिछले हफ्ते जिस लड़की को हम लोग देखने गए थे, उस लड़की का सिविल सेवा में चयन हो गया है। अब तो रिश्ता पक्का कर दीजिए।' गोपी बाबू के छोटे भाई ने कहा।

'नहीं छोटे, वह लड़की हमारे घर की कभी बहू नहीं बन सकती।' गोपी बापू ने कहा।

'क्यों भैया क्या दोष है उस बच्ची में?' छोटे ने पूछा। 'दोष उसमें नहीं उसके पिताजी में है।' गोपी बापू ने पलटकर कहा। 'कौन सा दोष.. कैसा दोष भैया?' 'उसके पिताजी हमारे ही कारखाने में मजदूर हैं।' नथुने फुलाते हुए गोपी बापू ने कहा। इस पर छोटे ने कहा, 'यह तो अच्छी बात है। मेहनती बाप की मेहनती बेटी अपने घर की बहू बनेगी।' छोटे भाई ने समझाया। 'नहीं छोटे, हम अपने मजदूर को अपने बराबर नहीं बैठा सकते। उसको अपना समधी नहीं बना सकते। उसके पसीने की बदबू हमारे बदन का इत्र नहीं बन सकती।' गोपी बापू ने दलील दी। उसी समय मोबाइल की घंटी बजी। उधर से आवाज आई, 'हैलो गोपी बाबू, सिटी अस्पताल आ जाइए तुरंत। आपके बेटे का एक्सीडेंट हो गया है।'

'अरे..अभी आया।' गोपी बापू ने माथे का पसीना पोंछा फिर घबराते हुए अस्पताल भागे। अस्पताल पहुंचकर जो दृश्य गोपी ने देखा, उसे देखते रह गए। दरअसल, वही मजदूर उनके लड़के को अपना खून दे रहा था, जिसको वे अपने बराबर बैठाना नहीं चाहते थे। *

हो सकता है आपने कुछ नेशनल पार्क और वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरी की यात्रा की हो। लेकिन अगर आप दुनिया के सबसे अनूठे नेशनल पार्क का अनुभव लेना चाहते हैं तो आपको मणिपुर स्थित तैरते हुए नेशनल पार्क कीबुल लामजाओ की यात्रा करनी होगी। इस अनोखे नेशनल पार्क की विशेषताओं के बारे में जानिए।

दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ नेशनल पार्क कीबुल लामजाओ

टूरिस्ट प्लेस

समीर चौधरी

मणिपुर की लोकटक झील के दक्षिण हिस्से में कीबुल लामजाओ नेशनल पार्क यानी राष्ट्रीय उद्यान है, जोकि दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ नेशनल पार्क है। मणिपुर के विष्णुपुर जिले में, इंफाल से लगभग 50 किमी. की दूरी पर यह पार्क 40 वर्ग किमी. में फैला हुआ है और यह लुप्तप्राय संगाई हिरण (नृत्य करने वाला हिरण) का अकेला प्राकृतिक घर है। यह उद्यान न केवल पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण है बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था (मत्स्य पालन, जल विद्युत) के लिए भी मायने रखता है।

जैव-विविधता से भरपूर: कीबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान, जैवविविधता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह अपनी विशिष्ट तैरती फुमदिस और यहां खास तौर से पाए जाने वाले संगाई हिरण के लिए भी विख्यात है। फुमदिस सड़ी-गली वनस्पतियों, मिट्टी और जड़ों का तैरता हुआ समूह होता है। यह झील के पानी के ऊपर तैरता रहता है, जिसमें 450 से अधिक जलीय वनस्पतियों की प्रजातियां, जंगली सूअर, हॉग हिरण, बड़ी भारतीय सिवेट जैसे जीव पाए जाते हैं। नवंबर से मार्च के बीच इस पार्क में प्रवासी पक्षी भी आते हैं, इसलिए यात्रा करने का यही सबसे अच्छा समय माना जाता है।

अपने-आप में अनूठा राष्ट्रीय उद्यान: कीबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान, एक ऐसी जगह है, जहां प्रकृति ने अपने नियम नए सिरे से लिखे हैं, जिसकी वजह से नाजुक, तैरता हुआ एक अजूबा भूखंड बन गया है। इस अलौकिक लैंडस्केप में मणिपुर का नृत्य करने वाला संगाई हिरण घूमता हुआ दिखता है, जिसके तेज गति से दौड़ते कदम, तैरते घास के मैदान पर बहुत आकर्षक लगते हैं। एक जमाना था जब यह माना जाने लगा था कि संगाई हिरण विलुप्त हो गया है। ऐसे में यहां उनके बचे रहने की संभावना ने नई उम्मीद को जगाया है, दरअसल, अनोखी प्राकृतिक संरचना फुमदिस की स्थिरता का यहां के जीवों के लिए बहुत महत्व है। न सिर्फ हिरण के लिए बल्कि उस पूरे ईकोसिस्टम के लिए भी, जो पृथ्वी पर कहीं और है ही नहीं।

बढ़ रही नाचते हिरण की संख्या: सन् 1954 तक यह मान लिया गया था कि संगाई हिरण की प्रजाति लुप्त हो गई है। संगाई तैरते फुमदिस के अतिरिक्त कहीं भी जीवित नहीं रह सकता है। इसकी वजह शिकार और फुमदिस का खत्म होना माना गया। इसके लगभग दो दशक बाद सन् 1974-75 के बीच किए गए हवाई सर्वे के दौरान उम्मीद की किरण जागी। कीबुल लामजाओ के तैरते फुमदिस में लगभग 14 संगाई देखे गए, जिसकी वजह से इनके संरक्षण प्रयासों में नया जोश आया और सन् 1995 तक इनकी संख्या बढ़कर 155 हो गई, जो सन् 2016 में 260 तक पहुंच गई। तैरते फुमदिस पर संगाई की नजाकत भरी चाल ने ही इसे 'नाचते हिरण' का नाम दिया है।

इसलिए मिला राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा: संगाई की खोज के बाद ही भारत सरकार और मणिपुर की सरकार ने वन्यजीवन संरक्षण कानून 1972 के तहत 1977 में कीबुल लामजाओ को 'राष्ट्रीय उद्यान' (नेशनल पार्क) घोषित किया। संगाई हिरण और उसके प्राकृतिक आवास स्थल यानी फुमदिस के लिए यह कानूनी सुरक्षा जरूरी थी। संगाई केवल एक प्रजाति नहीं है बल्कि सांस्कृतिक जड़ों वाला पशु है, जिसने हजारों वर्षों के दौरान तैरते फुमदिस पर रहने के लिए खुद को ढाल लिया है और यह लैंडस्केप व मणिपुर के लोगों के बीच गहरे संबंध को प्रतिबिंबित करता है।

मौजूद हैं कई चुनौतियां: इस अनोखे राष्ट्रीय उद्यान के समक्ष कई इकोलॉजिकल चुनौतियां हैं। लोकटक हाइड्रोइलेक्ट्रिकल प्रोजेक्ट कृत्रिम रूप से पानी के स्तर को नियंत्रित करता है, जिससे फुमदिस चक्र बाधित होता है और यहां के तैरते हुए ईकोसिस्टम की स्थिरता के लिए खतरा उत्पन्न होता है। गौरतलब है कि कीबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान को परिभाषित करने वाला फीचर उसका तैरता इकोसिस्टम ही है, जो संगाई को जीवित रखने के लिए आवश्यक है। एक ताजा अध्ययन में मणिपुर के इस आइकॉनिक हिरण के भविष्य को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त की गई हैं। क्लाइमेट चेंज की वजह से 2070 तक फुमदिस सिकुड़ जाएगा और जब फुमदिस नहीं होगा, तो संगाई का अस्तित्व भी खतरे में पड़ जाएगा। *

फुमदिस से जुड़े दिलचस्प तथ्य

फुमदिस वनस्पति, मिट्टी आदि की तैरती हुई मोटी परत होती है, जोकि जलीय पौधों और अन्य चीजों से मिलकर हजारों वर्षों में तैयार होती है। यह संगाई एवं अन्य वन्यजीवों को चरने की जगह, प्रजनन स्थल और आवास प्रदान करती है। दिलचस्प यह है कि फुमदिस प्राकृतिक जल चक्र है यानी यह झील के तले तक डूब जाती है पौष्टिक तत्व जज्ब करने के लिए। फिर कुछ समय बाद ऊपर उठ जाती है। यह चक्र उसके बने रहने के लिए आवश्यक है। फुमदिस केवल वनस्पति का टुकड़ा नहीं है बल्कि जीवित स्ट्रक्चर है। यह एक मोटी परत होती है, जिस पर बड़े जानवर भी रहते हैं। इस पर जो घास उगती है वह पूरे साल यहां निवास करने वाले वन्य जीवों को आवश्यक पौष्टिक तत्व प्रदान करती है।

सेल्फ इंप्रूवमेंट

शिखर चंद जैन

कई बार लोग प्रतिभावान और क्षमतावान होते हुए भी एक सीमित दायरे से बाहर निकलकर कुछ बड़ा अचीव नहीं कर पाते। अगर लाइफ में कुछ बड़ा हासिल करना है तो अपनी क्षमताओं को पहचान कर उसे एक्सप्लोर करना जरूरी है। यह कैसे होगा, बता रहे हैं आपको।

अपनी छिपी स्ट्रेंथ को ऐसे करें एक्सप्लोर

हम अकसर अपने आपको एक मानसिक दायरे में बंद कर लेते हैं और फिर कुएं के मेंढक की तरह उस दायरे से बाहर निकलने की कोशिश ही नहीं करते। स्वयं द्वारा निर्मित अपनी मानसिक शारीरिक सीमाओं को अपनी वास्तविकता मान लेते हैं, जबकि वे केवल हमारे विचारों की उपज होती हैं। ऐसे में हम आगे नहीं बढ़ पाते। आगे बढ़ने और तरक्की करने के लिए जरूरी है अपनी क्षमता को एक्सप्लोर करना। इसका अर्थ है, अपने डर के पार जाना। जब आप स्वयं पर लगे 'लेबल' हटा देते हैं, तो आप पाते हैं कि आप उससे कहीं अधिक हैं, जितना आपने कभी सोचा था।

हमारे भीतर है असीमित क्षमता: हम अपनी क्षमताओं का केवल 10 प्रतिशत ही इस्तेमाल करते हैं। यह आपने अकसर पढ़ा या सुना होगा। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि बाकी 90 प्रतिशत क्षमता का क्या होता है? वह बिना उपयोग के ही व्यर्थ के कामों में जाया हो जाती है। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि इंसानी दिमाग की क्षमता का कोई अंत नहीं है। कैरोल ड्वेक अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'माइंडसेट' में बताती हैं, 'ग्रोथ माइंडसेट' के साथ, हम अपनी क्षमता को असीमित रूप से विकसित कर सकते हैं। जब हम यह मानते हैं कि हमारी बुद्धिमत्ता और प्रतिभा को मेहनत और सीखने के माध्यम से बढ़ाया जा सकता है, तो हम अपनी सीमाओं को तोड़कर आगे बढ़ सकते हैं।' अब्राहम मैस्लो, जो मानवतावादी मनोविज्ञान के जनक माने जाते हैं, का मानना था कि हर इंसान में आत्म-वास्तविकीकरण की क्षमता होती है। यह वह अवस्था है, जहां हम अपनी पूरी क्षमता को पहचानते हैं और उसे हासिल करते हैं। उनके अनुसार, यह हम सभी की अंतर्निहित इच्छा होती है कि हम वह बनें, जो हम बनने के लिए सक्षम हैं।

लोगों का साथ लें: हमारी क्षमता केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक भी है। आधुनिक समाजशास्त्र के प्रमुख संस्थापकों में से एक एमिल दुर्खीम का मत है कि कि हम सामाजिक संबंधों और सहयोग के माध्यम से अपनी क्षमता को बढ़ा सकते हैं। हमारे आस-पास के लोग, हमारी संस्कृति और हमारा सामाजिक माहौल हमारी क्षमताओं को आकार दे सकते हैं। दूसरों की मदद लेने से ही नहीं, उनकी मदद करने से भी हमारी क्षमताएं बढ़ती हैं। प्रमुख समाजशास्त्री मैक्स वेबर का मानना था कि अनुशासित और केंद्रित मेहनत, जो कि एक सामाजिक गुण भी है, से हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं और अपनी क्षमता का अधिकतम उपयोग कर सकते हैं।

कैसे करें अपनी क्षमता को एक्सप्लोर: अपनी असीमित क्षमता को एक्सप्लोर करने के लिए सबसे पहले, यह विश्वास करें कि आप में कुछ भी हासिल करने की क्षमता है। कभी भी नई चीजें सीखना न छोड़ें। नई किताबें पढ़ें और निरंतर नए अनुभव प्राप्त करें। कभी भी हार न मानें। अपनी असफलताओं से सीखें और आगे बढ़ें।

दिमाग के लचीलेपन का इस्तेमाल करें: जीनियस पैदा नहीं होते, गहन अभ्यास से जीनियस बनते हैं। प्रतिभा विकसित की जा सकती है। हमारा दिमाग लचीला होता है। इसका नियमित उपयोग और दिमागी मशक्कत करने से इसकी क्षमता निरंतर बढ़ती है। इस संबंध में जिम क्विक अपनी बेस्ट सेलर पुस्तक 'लिमिटलेस' में लिखते हैं, 'अपने दिमाग को अपग्रेड करें, कुछ भी तेजी से सीखें और अपने असाधारण जीवन को अनलॉक करें।' उनका कहना है कि हम अपनी सोच (माइंडसेट), प्रेरणा (मोटिवेशन) और तरीकों (मेथड्स) में बदलाव करके अपनी दिमागी क्षमताओं को असीमित कर सकते हैं, जिसमें सीमाओं को चुनौती देना, नींद को प्राथमिकता देना और लगातार अभ्यास करना शामिल है, ताकि हम तेजी से सीख सकें और अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें। मैं यह नहीं कर सकता, जैसे विचारों को 'मैं यह सीख सकता हूं' में बदलें। अपनी बुद्धि को स्थिर न मानें, यह बढ़ सकती है। *

अक्षय तृतीया विशेष

हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है अक्षय तृतीया का पर्व। मान्यता है कि इस दिन किए जाने वाले शुभ कार्यों का अक्षय फल मिलता है। इस पर्व की महत्ता, इससे जुड़ी परंपराओं और मान्यताओं पर एक दृष्टि।

शुभ कार्यों का अक्षय फल प्रदान करती अक्षय तृतीया

पर्व-संस्कृति

धीरज बसाक

भारतीय पंचांग में कुछ तिथियां पूरे जीवन-दर्शन को अपने भीतर समेटे रहती हैं। अक्षय तृतीया ऐसी ही एक विशिष्ट तिथि है, जो अक्षयता यानी कभी न समाप्त होने वाली ऊर्जा, पुण्य और समृद्धि का प्रतीक बनकर उभरती है।

धार्मिक-पौराणिक मान्यताएं: अक्षय तृतीया की तिथि का धार्मिक और पौराणिक आधार भी इसे विशेष बनाता है। मान्यता है कि इसी दिन भगवान विष्णु के अवतार श्री परशुराम जी का जन्म हुआ था, जो धर्म और न्याय की स्थापना के प्रतीक माने जाते हैं। यह भी मान्यता है कि इसी दिन वेदव्यास ने महाभारत की रचना आरंभ की थी, जो भारतीय सभ्यता के नैतिक और दार्शनिक आधारों को समझने का सबसे बड़ा ग्रंथ है और इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण ने अपने मित्र सुदामा द्वारा सच्चे भाव से दिए गए एक छोटे से दान के बदले उन्हें दो 'लोक' प्रदान कर दिए थे। इन सभी कथाओं का सार यही है कि निःस्वार्थ भाव से किया गया कर्म कभी नष्ट नहीं होता।

सिखाती है जीने का संतुलित तरीका: भारतीय संस्कृति में यह विचार बहुत गहराई तक समाया हुआ है कि संसार की हर भौतिक वस्तु नश्वर है। लेकिन सत्कर्म, करुणा और धर्म के फल अक्षय होते हैं। अक्षय तृतीया इसी शाश्वत सत्य का उत्सव है। यह तिथि हमें याद दिलाती है कि जीवन में किए गए अच्छे कर्म, दान, सद्भाव कभी व्यर्थ नहीं जाते, वे किसी न किसी रूप में अक्षय बने रहते हैं। यह हमें केवल पूजा-पाठ की संस्कृति ही नहीं सिखाती बल्कि जीवन जीने का एक संतुलित और संवेदनशील तरीका भी सिखाती है।

कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन: अक्षय तृतीया पर्व जिस समय मनाया जाता है, वह रबी की फसल के पकने का समय होता है। खेतों में सुनहरी बालियां लहलहा रही होती हैं और किसान अपनी नई फसल को भगवान को अर्पित करते हैं। यह केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं बल्कि मानव और प्रकृति के बीच संतुलन और सम्मान का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति में प्रकृति को माता के रूप में देखा गया है और अक्षय तृतीया, प्रकृति के उस मातृत्व के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी है।

धार्मिक-सामाजिक-आर्थिक महत्व: अक्षय तृतीया के दिन सोना खरीदने की परंपरा केवल भौतिक समृद्धि का प्रतीक नहीं है बल्कि इस विश्वास का प्रतीक भी है कि आज किया गया निवेश भविष्य में स्थाई फल देगा। नए कार्यों की शुरुआत, गृह प्रवेश और विवाह आदि के लिए इस दिन को अत्यंत शुभ माना जाता है। विशेष बात यह है कि इस दिन किसी विशेष मुहूर्त की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि पूरा दिन ही शुभ-मुहूर्त वाला होता है।

दान-पुण्य और सेवा का संदेश: अक्षय तृतीया का महत्व केवल सोने-चांदी, आभूषणों या अन्य भौतिक वस्तुओं की खरीदारी तक ही सीमित नहीं है। इस दिन अन्न, जल, वस्त्र और कलश के दान करने की भी प्रथा है। गर्मी के मौसम में जरूरतमंदों को पानी पिलाना, भूखों को भोजन कराना, इस दिन ये सभी कार्य अत्यंत पुण्यदायी माने जाते हैं। ये परंपराएं हमें सिखाती हैं कि समाज में समृद्धि तभी अक्षय हो सकती है, जब हर किसी का उसमें हिस्सा हो। अक्षय तृतीया इसी सांस्कृतिक दर्शन के संतुलन का नाम है, जो बताती है कि सिर्फ भौतिक प्रगति ही पर्याप्त नहीं है बल्कि आध्यात्मिक और नैतिक विकास भी उतना ही जरूरी है।

शुभ कर्मों से मिलता है अक्षय फल: अक्षय तृतीया भारतीय संस्कृति की उस गहरी परंपरा से नाता रखती है, जहां धर्म, अर्थ, प्रकृति और समाज, चारों का सुंदर समन्वय होता है। यह तिथि हमें यह विश्वास दिलाती है कि हमारे कर्म सही दिशा में हैं, तो उनका फल कभी समाप्त नहीं होगा। वास्तव में यही अक्षयता का वास्तविक दर्शन है। एक ऐसा जीवन, जिसमें अच्छाई निरंतर प्रवाहित होती रहे। इस प्रकार देखें तो अक्षय तृतीया केवल एक पर्व नहीं बल्कि प्राचीन भारतीय जीवन-दर्शन की आत्मा का मूल है, जो हमें सिखाती है- जो भी शुभ करो, वह सदा के लिए अक्षय हो जाता है। *

प्रवृत्ति

शाहिद ए. चौधरी

ज्ञान-संस्कृति-विचारों की नई खिड़की खोलती हैं किताबें

भले ही पढ़ने और लिखने की नई-नई तकनीकें विकसित हो चुकी हैं, लेकिन किताबें हाथ में लेकर पढ़ने का सुख अनोखा होता है। पुस्तक पढ़ने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करने और कॉपीराइट के प्रति जागरूक करने के लिए ही **23 अप्रैल को विश्व पुस्तक, कॉपीराइट दिवस** मनाते हैं। इस दिवस की महत्ता पर एक नजर।

किताबें खिड़की की तरह होती हैं, जिसमें से दिखाई देता है एक नया संसार। हर नए पृष्ठ के साथ किताबें परिचित कराती हैं- नए लोगों से, नई संस्कृतियों से और नए विचारों से। गांधीजी ने कहा था, 'विचारों के युद्ध में पुस्तक ही शस्त्र है।' शायद यही वजह है कि ई-बुक्स के इस दौर में भी अनेक लोगों को अच्छे कागज पर छपी, जिल्द में बंधी, किताब अपने हाथों में लेकर पढ़ना ही अच्छा लगता है। हालांकि ऐसे लोगों को शायद आज परंपरागत मूल्यों में यथास्थिति का पक्षधर माना जा सकता है। लेकिन इससे पुस्तकप्रेमियों को कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि किताबें पढ़ने की उनकी आदत जो बन गई है।

नई पीढ़ी हो रही किताबों से दूर

पढ़ने की प्रवृत्ति को लेकर एक पक्ष यह है कि रील्स और वीडियोज की आधुनिक चकाचौंध में गुम आज की पीढ़ी तो टेक्स्ट बुक्स की तुलना में नेट के वीडियो लेक्चर्स को वरीयता देती है। यह पीढ़ी किताब पढ़ने की बजाय ऑडियो-बुक्स को सुनना पसंद करती है। क्या पढ़ने और सुनने में समान एकाग्रता बनी रहती है और बराबर का ज्ञान मिलता है? इस पर बहस हो सकती है। बहरहाल, युवा पीढ़ी किताबों से जिस अंदाज से दूर हो रही है या उसे बंद कर रही है या उसे खोलना ही नहीं चाहती है, उस पर शम्स तबरेज का यह शेर याद आता है-

अजीब किस्म की उभरी थी शक्ल लफ्जों से
किताब बंद न करता तो डर गया होता।

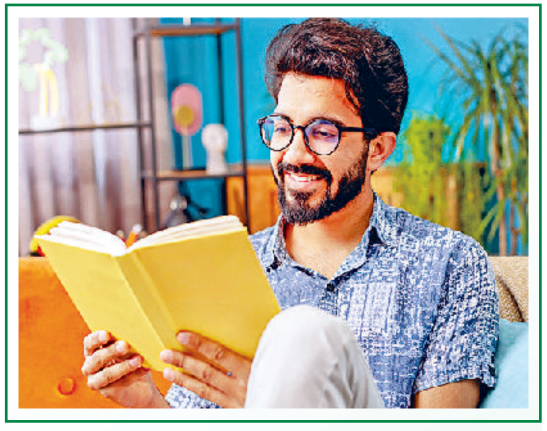

इसलिए मनाते हैं विश्व पुस्तक दिवस

किताबों से बढ़ती दूरी की पृष्ठभूमि में यूनेस्को की कोशिश है कि लोग किताबों को खोलें, उन्हें पढ़ें, उनमें अपनी दिलचस्पी बढ़ाएं और ज्ञानी बनें, क्योंकि किताबों से बढ़कर कोई पक्का दोस्त नहीं होता। किताबें पीढ़ियों के बीच में और संस्कृतियों के बीच में पुल का काम करती हैं। इसी तथ्य को मान्यता प्रदान करने के लिए यूनेस्को यानी संयुक्त राष्ट्र संघ हर साल 23 अप्रैल को विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस मनाता है।

इस वर्ष के लिए चयनित पुस्तक राजधानी

हर साल इस जश्न को मनाने के लिए यूनेस्को व पुस्तक उद्योग के मुख्य सेक्टर्स- प्रकाशक, पुस्तक विक्रेता, पुस्तकालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले अंतरराष्ट्रीय संगठन मिलकर विश्व पुस्तक राजधानी का चयन करते हैं। चुना हुआ शहर सभी आयु वर्गों और सभी समाजों में किताबों और पढ़ने की संस्कृति को प्रोत्साहित करता है, न सिर्फ मेजबान देश में बल्कि पूरे विश्व में। यूनेस्को ने अब तक 26 विश्व पुस्तक राजधानियां घोषित की हैं, जिनकी शुरुआत 2001 में मेड्रिड (स्पेन) से हुई थी। इस वर्ष 2026 की पुस्तक राजधानी रबात (मराकश) को चुना गया है। रबात में मेन फोकस, संस्कृतियों को जोड़ने में पुस्तकों की भूमिका पर होगा। इसके अलावा इस वर्ष पुस्तक दिवस का फोकस पढ़ने के साथ साक्षरता पर भी है, जिसमें पढ़ने के घंटे को भी प्राथमिकता दी गई है। आमतौर से शाम को 7 से 8 बजे तक का समय किताब पढ़ने के लिए मुफीद माना जाता है। यानी रोजाना कम से कम एक घंटा किताब पढ़ने की प्रवृत्ति विकसित की जाए, इस पर फोकस किया जा रहा है।

नई चुनौतियां भी कम नहीं

इसके अतिरिक्त इस बात पर भी गंभीर चर्चा हो रही है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की लेखकों के लिए प्रकाशन और कॉपीराइट सुरक्षा में क्या भूमिका होनी चाहिए? यह गंभीर विषय है और पेचीदा भी। एआई कॉपीराइट की परवाह किए बिना किसी के भी कार्य को सार्वजनिक करने की क्षमता रखती है, जिससे लेखकों व प्रकाशकों को नुकसान की आशंका रहती है। लेकिन एआई को नियंत्रित करना भी आसान नहीं है। फिर भी कोई न कोई रास्ता तो निकालना ही होगा। *

कॉपीराइट सुरक्षा पर भी केंद्रित है यह दिवस

इस दिवस को मनाने का उद्देश्य कॉपीराइट सुरक्षा को भी प्रोत्साहित करना होता है, जैसा कि इसके नाम से स्पष्ट है। भारत में कॉपीराइट सुरक्षा 1957 के कॉपीराइट कानून से संचालित होती है, जिसके तहत स्वतः ही मूल साहित्य, नाटक, संगीत, सिनेमेटोग्राफ फिल्म्स/साउंड रिकॉर्डिंग्स सुरक्षित हो जाती हैं। सुरक्षा के लिए पंजीकरण आवश्यक नहीं है, लेकिन विवाद की स्थिति में प्रथम दृष्टया इसे साक्ष्य माना जाता है। कॉपीराइट सुरक्षा आमतौर से लेखक के जीवनकाल और उसके बाद अतिरिक्त 60 वर्षों तक लागू रहती है। यह 60 साल लेखक की मृत्यु के दिन से गिने जाते हैं। कानूनी साक्ष्य के लिए पंजीकरण करा लेना चाहिए, भले ही वह वैकल्पिक हो। इसके लिए कॉपीराइट ऑफिस में अप्लाई करना होता है। फोटोग्राफ, फिल्म, साउंड रिकॉर्डिंग, अज्ञात व सरकारी कार्य का कॉपीराइट प्रकाशन के बाद 60 वर्षों तक रहता है। इस दौरान लेखक को एक्सक्लूसिव अधिकार होता है, अपने कार्य के पुनः प्रकाशन, कापियां जारी करने, परफॉर्म करने, अनुवाद करने या एडॉप्ट करने का। कॉपीराइट उल्लंघन की स्थिति में दोनों दीवानी (मुआवजा), आपराधिक सजा (6 माह से 3 वर्ष की कैद और जुर्माना) का प्रावधान है। सेक्शन 52 के तहत कॉपीराइट उल्लंघन के अपवाद हैं जैसे निजी प्रयोग, शोध, आलोचना, समीक्षा या रिपोर्टिंग।